घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 28- शुक्रवार 28- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट तैयार,300 किलो तक के सैटेलाइट अंतरिक्ष में ले जाएगा

भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र बदल रहा,युवा और जेन जी के लिए नए अवसर खोल रहा:पीएम मोदी

नई दिल्ली,27 नवम्बर 2025। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काई रूट के इंफिनिटी कैंपस का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि पिछले 6 से 7 सालों में भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र बड़े बदलावों से गुजर रहा है और यह अब खुला, सहयोगी और नवाचार से प्रेरित अर्थतंत्र बन गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार की ओर से अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोलने से देश के युवा खासकर 'जेन जी यूथ' को भरपूर फायदा उठाने के अवसर मिले हैं। भारत के पास अंतरिक्ष क्षेत्र में क्षमताएं हैं और यह क्षमताएं केवल कुछ ही देश के पास हैं। यह अपने साथ 300 किग्रा सैटेलाइट ले जाने में सक्षम है। हमारे पास कुशल इंजीनियर, उच्च गुणवत्ता उत्पादन अर्थतंत्र और विश्व की बेहतरीन प्रक्षेपण स्थल हैं। साथ ही नवाचार को प्रोत्साहित करने वाला माइंड सेट भी है। भारत की युवा शक्ति को नवाचार और जोखिम उठाने वाली क्षमता तथा उद्यमिता से जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि इसके चलते आज विविध क्षेत्र में भारत नई बुलंदियां छू रहा है। स्काई रूट का इंफिनिटी कैंपस भारत की नई सोच नवाचार और युवा शक्ति काप्रतिबिंब है। उन्होंने ने स्काई रूट के प्रथम ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-एक का अनावरण भी किया। इसमें उपग्रह को कक्षा में प्रक्षेपित करने की क्षमता है। इस अत्याधुनिक केंद्र में बहु प्रक्षेपण वाहनों के डिजाइन विकास एकीकरण और प्रशिक्षण के लिए लगभग 20 हजार वर्ग फुट का कार्य क्षेत्र होगा तथा हर महीने का एक कक्षीय रॉकेट बनाने की क्षमता होगी। अंतरिक्ष के क्षेत्र में कार्य करने वाली सरकारी एजेंसी 'इसरो' की प्रशंसा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दशकों तक संस्था ने भारत की अंतरिक्ष यात्रा को नई उड़ान दी है। उसने विश्वसनीयता,क्षमता और अपने काम से हर प्रकार से भारत की अलग पहचान बनाई है।

हमारी युवा शक्ति की इनोवेशन : मोदी

आज भारत स्पेस इकोसिस्टम के प्राइवेट सेक्टर में बड़ी उड़ान भर रहा है। स्काईरूट का इनफिनिटि कैंपस भारत की नई सोच, इनोवेशन का प्रतिबिंब है। हमारी युवा शक्ति की इनोवेशन, रिस्क टेकिंग एबिलिटी आज नई बुलंदी छू रही है। आज यह कार्यक्रम इस बात का प्रतिबिंब है कि आने वाले समय में भारत रॉकेट ग्लोबल सेक्टर में लीडर बनकर उभरेगा। पीएम ने स्काईरूट के फाउंडर के बारे में कहा कि आप दोनों ने खुद पर भरोसा किया, आप रिस्क उठाने में पीछे नहीं रहे। इसका परिणाम आज पूरा देश देख रहा है। इसरों ने दशकों तक भारत की स्पेस यात्रा को उड़ान दी है। बदलते हुए समय में स्पेस सेक्टर का विस्तार हो रहा है। इसलिए ही हमने भारत के स्पेस सेक्टर में ऐतिहासिक रिफॉर्म किए।

10 राज्यों में 15 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी मेडिकल कॉलेजों में रिश्वतखोरी के आरोप

नई दिल्ली,27 नवम्बर 2025। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को मेडिकल शिक्षा क्षेत्र से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में बड़ी कार्रवाई की। ईडी ने 10 राज्यों में 15 ठिकानों पर छापेमारी की, जिनमें आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई 30 जून 2025 को दर्ज सीबीआई की एफआईआर (संख्या आरसी 2182025ए0014) से जुड़ी हुई है। एफआईआर में आरोप है कि कुछ सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी गई। इसके एवज में मेडिकल कॉलेजों के निरीक्षण से जुड़ी गोपनीय जानकारी साझा की गई। इसमें राष्ट्रीय मेडिकल कमीशन के अधिकारी भी शामिल हैं। जांच में सामने आया कि ये गोपनीय निरीक्षण विवरण मेडिकल कॉलेजों के प्रमुख प्रबंधकों और कुछ मध्यस्थों तक पहुंचाए गए। इस जानकारी का इस्तेमाल आरोपियों ने निरीक्षण के मानदंडों में हेरफेर करने और मेडिकल कॉलेजों में अकादमिक कोर्स चलाने की अनुमति पाने के लिए किया। ईडी की छापेमारी में सात मेडिकल कॉलेजों से जुड़े परिसरों को शामिल किया गया है। इसके अलावा, कई निजी व्यक्तियों के परिसरों पर भी कार्रवाई की गई, जो एफआईआर में आरोपी बताए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि ये लोग कथित रिश्वतखोरी में अहम भूमिका निभा रहे थे। इस व्यापक कार्रवाई का उद्देश्य कथित नेटवर्क की जड़ तक पहुंचना और अवैध धन के प्रवाह का पता लगाना है। यह कार्रवाई सीबीआई की चल रही जांच से प्राप्त विस्तृत सुरागों पर आधारित है और इसका लक्ष्य भ्रष्टाचार के इस जाल को उजागर करना है। सूत्रों के अनुसार, ईडी इस कार्रवाई के जरिए कॉलेज प्रशासन और सरकारी अधिकारियों के बीच कथित भ्रष्टाचार नेटवर्क की पूरी तस्वीर सामने लाना चाहती है। यह कार्रवाई देशभर में मेडिकल शिक्षा क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच का फोकस न केवल संस्थागत परिसरों पर है, बल्कि व्यक्तिगत परिसरों पर भी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि किस तरह से रिश्वत और गोपनीय जानकारी का आदान-प्रदान किया गया।

असम में बहुविवाह प्रतिबंध विधेयक पारित

गुवाहाटी,27 नवम्बर 2025। असम विधानसभा ने गुरुवार को असम प्रोहिबिशन ऑफ पॉलिगैमी बिल, 2025 को मंजूरी दे दी। इसी दौरान मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा ने सदन में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर एक बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि यदि वे अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद फिर से सत्ता में लौटते हैं तो नई सरकार के पहले सत्र में ही यूसीसी पेश किया जाएगा और बिना किसी देरी के लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बहुविवाह प्रतिबंध कानून 'यूसीसी की दिशा में उठाया गया ठोस कदम' है और सभी समुदायों में व्यक्तिगत कानूनों की एकरूपता लाना उनकी प्रतिबद्धता है। विधेयक में बहुविवाह को दंडनीय अपराध माना गया है,जिसके लिए 10 साल तक की सजा का प्रावधान है। हालांकि,अनुसूचित जनजातियों और षष्ठ अनुसूची के अधीन क्षेत्रों को इस कानून से मुक्त रखा गया है। सरमा ने स्पष्ट किया कि यह कानून 'धर्म निरपेक्ष' है और किसी एक समुदाय को लक्षित नहीं करता। उनके अनुसार, 'हिंदू, मुस्लिम, क्रिश्चियन–सभी समाजों में बहुविवाह के मामले मिलते हैं, इसलिए यह कानून सभी पर समान रूप से लागू होगा। ' सरकार की एकता की अपील के बावजूद एआईयूडीएफ और माकपा ने विधेयक में संशोधन की मांग की, लेकिन सभी संशोधन ध्वनिमत से खारिज कर दिए गए। सरमा ने यह भी घोषणा की कि सरकार फरवरी अंत तक 'छलपूर्वक विवाह' के खिलाफ एक अलग विधेयक लाएगी, जिसे वे आम बोलचाल में 'लव-जिहाद' से जुड़े मामलों पर कार्रवाई की दिशा में एक कदम बताते हैं।

भारत ने दिखाया रणनीतिक स्वायत्तता वैश्विक उत्तरदायित्व के साथ चल सकती है : राष्ट्रपति

नई दिल्ली,27 नवम्बर 2025। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को कहा कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के मार्गदर्शन में भारत ने दिखाया है कि रणनीतिक स्वायत्तता वैश्विक उत्तरदायित्व के साथ चल सकती है। उन्होंने कहा कि हमारी कूटनीति, अर्थव्यवस्था और सशस्त्र बल ने मिलकर ऐसे भारत की छवि प्रस्तुत की है जो शांति चाहता है, पर अपनी सीमाओं और नागरिकों की रक्षा के लिए पूरी शक्ति और दृढ़ विश्वास के साथ तैयार है। राष्ट्रपति मुर्मु ने गुरुवार को यहां भारतीय सेना के सेमिनार 'चाणक्य डिफेंस डायलॉग-2025' के तीसरे संस्करण के उद्घाटन सत्र में भाग लिया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने देश की संप्रभुता की रक्षा में पेशेवर कौशल और देशभक्ति का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। पारंपरिक, आतंक-रोधी या मानवीय प्रत्येक सुरक्षा चुनौती के सामने हमारी सेनाओं ने उल्लेखनीय अनुकूलन क्षमता और दृढ़ता दिखाई है। उन्होंने कहा कि परिचालन दायित्वों से परे भारतीय रक्षा बल राष्ट्रीय विकास के स्तंभ भी रहे हैं। सीमाओं को सुरक्षित रखने के साथ उन्होंने अवसंरचना, संपर्क, पर्यटन और शिक्षा के माध्यम से सीमा क्षेत्रों के विकास में भी योगदान दिया है। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि चाणक्य डिफेंस डायलॉग-2025 की चर्चाएं और निष्कर्ष राष्ट्रीय नीति के भविष्यगत स्वरूप को तय करने में नीति-निर्माताओं के लिए उपयोगी दृष्टि प्रदान करेंगे। उन्हें यह भी विश्वास है कि हमारे सशस्त्र बल उत्कृष्टता के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ेंगे। राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि सेना 'डेकेड ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन' के तहत ठोस उपलब्धियों के माध्यम से स्वयं को रूपांतरित कर रही है। उनहोंने कहा कि संरचनाओं में सुधार,सिद्धांतों को नया रूप देना और क्षमताओं को पुनर्परिभाषित करना यह दिखाता है कि सेना भविष्य के लिए तत्पर है। उन्होंने विश्वास जताया कि ये रक्षा सुधार भारत को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होंगे। ऑपरेशन सिंदूर की हालिया सफलता को आतंक-रोधी और प्रतिरोध रणनीति की एक निर्णायक उपलब्धि बताते हुए उन्होंने कहा कि विश्व ने न केवल भारत की सैन्य क्षमता को देखा, बल्कि शांति के प्रति भारत की नैतिक दृढ़ता को भी महसूस किया। राष्ट्रपति ने कहा कि आज का भू-राजनीतिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था शक्ति-प्रतिस्पर्धा,तकनीकी बदलावों और बदलते गठबंधनों के कारण पुनर्लेखित हो रही है। साइबर, अंतरिक्ष,सूचना और कोगनेटिव युद्ध जैसे नए प्रतिस्पर्धी क्षेत्र शांति और संघर्ष की सीमाओं को धुंधला कर रहे हैं।

वोटर लिस्ट से मिले चौंकाने वाले आंकड़े,11 लाख से अधिक डुप्लीकेट नाम,टल सकता है निकाय चुनाव...!

महाराष्ट्र,27 नवम्बर 2025। महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग के आंकड़ों में खुलासा हुआ है कि मुंबई के 1.03 करोड़ मतदाताओं में से करीब 10.64 प्रतिशत यानी 11 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट में दोहराए गए हैं। आयोग ने इस स्थिति को देखते हुए शिकायत और आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 27 नवंबर से बढ़ाकर 3 दिसंबर कर दी है। अंतिम मतदाता सूची 10 दिसंबर को जारी की जाएगी। आयोग के अनुसार, 4.33 लाख मतदाता ऐसे हैं जिनका नाम सूची में एक से अधिक बार दर्ज है, वहीं एक मामले में एक ही मतदाता का नाम 103 बार तक दर्ज पाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पंजीकरण में प्रिंटिंग त्रुटियां,पता परिवर्तन के बाद अपडेट नहीं होना और मृत मतदाताओं के नाम नहीं हटाया जाना इस समस्या की प्रमुख वजहें हैं। उपलब्ध डेटा दर्शाता है कि अधिकतर डुप्लीकेट नाम उन्हीं वार्डों में पाए गए हैं, जिनका प्रतिनिधित्व पहले विपक्षी दलों के नगर सेवकों ने किया था। शिवसेना (यूबीटी) और राकांपा के नेताओं ने मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि बूथ स्तर के कर्मचारी अब फील्ड सर्वे कर यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक मतदाता का नाम केवल एक बार सूचीबद्ध हो। शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि सूची में बड़ी संख्या में दोहराव, संदिग्ध एंट्री और अधूरी जानकारियां शामिल हैं।

आतंकी संगठन जमात-ए-इस्लामी के कई ठिकानों पर रेड

जम्मू में 19 साल का युवक गिरफ्तार

श्रीनगर,27 नवम्बर 2025। जम्मू-कश्मीर के 5 जिलों में पुलिस ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन जमात-ए-इस्लामीसे जुड़े कई लोगों के ठिकानों पर रेड की। पुलिस ने तलाशी के दौरान कई डॉक्यूमेंट्स समेत मोबाइल, लैपटॉप जब्त किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि घाटी में सुरक्षा अभियान के तहत शोपियां, पुलवामा,श्रीनगर,बारामूला और कुलगाम में सर्च ऑपरेशन चलाया गया है। इस दौरान पुलिस टीमों ने वेरिफिकेशन किया और कई लोगों से पूछताछ भी की। वहीं जम्मू पुलिस ने आतंकी गतिविधि में शामिल होने के आरोप में 19 साल के युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि वह पाकिस्तान समेत कई विदेशी नंबरों पर लगाता बात कर रहा था। शुरुआती जांच में सामने आया कि वह ऑनलाइन कट्टरपंथी बना था और आतंकी हमले की योजना बना रहा था। अधिकारियों ने बताया कि सर्च ऑपरेशन का मकसद बैन संगठन को दोबारा सक्रिय होने से रोकना, आतंकी सपोर्ट नेटवर्क और ओवरग्राउंड वर्कर्स की पहचान कर उन्हें खत्म करना है। साथ ही आतंकियों को फाइनेंशियल और लॉजिस्टिक मदद करने वालों पर कार्रवाई करना है। पुलिस ने कहा कि क्षेत्र में अवैध गतिविधि मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली की हवा खतरनाक स्तर के करीब

औसत एक्यूआई 377,कई इलाकों में स्थिति 'गंभीर'

नई दिल्ली,27 नवम्बर 2025। राजधानी दिल्ली में हवा की गुणवत्ता लगातार खतरनाक स्तर पर बनी हुई है। गुरुवार की शाम दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 377 दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली में अनुमान जताया गया कि आने वाले दिनों में स्थिति में किसी सुधार की संभावना नहीं है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली के कई क्षेत्रों में हालात औसत से भी गंभीर हैं। तापमान में गिरावट और ठंडी हवा के चलते हवा स्थिर है,जिससे प्रदूषक नीचे ही अटके हुए हैं और वायु गुणवत्ता तेजी से बिगड़ रही है। शाम 7 बजे दर्ज किए गए आंकड़ों के अनुसार आनंद विहार का एक्यूआई 415 और अशोक विहार का 407 'गंभीर' स्तर तक पहुंच गया।

पूर्व विधायक गुलाब कमरो हाउस अरेस्ट! भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष को दिखाने जा रहे थे काला झंडा

भरतपुर,27 नवम्बर 2025। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंहदेव के मनेन्द्रगढ़ आने से पहले शहर का सियासी माहौल गर्म हो गया है। कांग्रेस नेताओं के विरोध प्रदर्शन की आशंका को देखते हुए पुलिस ने पूर्व विधायक गुलाब कमरो को हाउस अरेस्ट कर लिया है। जानकारी के अनुसार,गुलाब कमरो भाजपा प्रदेशाध्यक्ष को काला झंडा दिखाने के लिए अपने समर्थकों के साथ निकलने की तैयारी कर रहे थे।

कांग्रेस नेताओं की घर से गिरफ्तारी : पुलिस ने सिर्फ पूर्व विधायक ही नहीं, बल्कि कांग्रेस के कई अन्य नेताओं को भी घर से हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के कार्यक्रम के खिलाफ प्रदर्शन करने की तैयारी में थे,जिसके चलते प्रशासन ने सख्ती बरतते हुए पहले से ही यह कार्रवाई की है। भाजपा जिला कार्यालय के भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंहदेव मनेन्द्रगढ़ पहुंच रहे हैं। कार्यक्रम के विरोध में कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता एकत्र हुए थे। कांग्रेस की ओर से यह आरोप लगाया जा रहा है कि प्रशासन ने विपक्ष की आवाज दबाने के लिए नेताओं को बेवजह रोका और गिरफ्तार किया है। भाजपा के उच्चस्तरीय कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस ने पूरे इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।

'ब्राह्मण बहू' चाहिए वाली कमेंटबाजी करके फंसे आईएएस संतोष वर्मा,एमपी सरकार ने रातोंरात किया सस्पेंड

भोपाल,27 नवम्बर 2025। मध्य प्रदेश सरकार ने आरक्षण पर टिप्पणी करके विवाद खड़ा करने वाले वरिष्ठ आईएएसअधिकारी संतोष वर्मा के खिलाफ कड़ा कदम उठाया है। सरकार ने पहले उन्हें कारण बताओ नोटिस भेजा और फिर बुधवार (26 नवंबर 2025) की रात तुरंत प्रभाव से उन्हें निलंबित कर दिया। संतोष वर्मा 2011 बैच के अधिकारी हैं और निलंबन से पहले कृषि एवं किसान कल्याण विभाग में उप सचिव के पद पर कार्यरत थे।

इस तरह शुरू हुआ विवाद

22 नवंबर 2025 को भोपाल में आयोजित एक साहित्यिक कार्यक्रम में बोलते हुए संतोष वर्मा ने आरक्षण नीति को लेकर विवादास्पद टिप्पणी की थी। उन्होंने दावा किया कि आरक्षण व्यवस्था अब अपने मूल उद्देश्यों को पूरा कर चुकी है और अब इसे एक राजनीतिक एजेंडा की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अलावा उनका एक अन्य बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ,जिसमें उन्होंने कहा, 'आरक्षण एक ही परिवार में दो लोगों को नहीं मिलना चाहिए, जब तक कि कोई ब्राह्मण अपनी बेटी मेरे बेटे को न दे दे।' उनके इस बयान ने ब्राह्मण समाज, एससी-एसटी और ओबीसी संगठनों को एकसाथ नाराज कर दिया। विवाद बढ़ने के बाद कई संगठनों ने भोपाल में वल्लभ भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने संतोष वर्मा के पुतले जलाए और उनके खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करने की माँग की। उनके हाथों में पोस्टर थे जिन पर लिखा था, 'संविधान से खिलवाड़ नहीं चलेगा', 'अधिकारी संविधान नहीं बदल सकते।'

नोटिस का जवाब मिलने से पहले ही किया सस्पेंड : विवाद बढ़ता देख सरकार ने तुरंत नोटिस जारी किया और कहा कि संतोष वर्मा का बयान सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाला है और अखिल भारतीय सेवा आचरण नियमों का स्पष्ट उल्लंघन करता है।

नोटिस में उन्हें 7 दिन में जवाब देने का निर्देश दिया गया था, साथ ही चेतावनी दी गई थी कि जवाब न मिलने पर एकतरफा अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। लेकिन मामला तूल पकड़ते देख सरकार ने बिना देरी किए बुधवार (26 नवंबर 2025) की देर रात सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से उनका निलंबन आदेश जारी कर दिया।

गुजरात में हाइवे प्रोजेक्ट्स के लिए केंद्र देगा 20,000 करोड़ : गडकरी

सूरत,27 नवम्बर 2025। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी गुजरात में हाइवे प्रोजेक्ट्स की समीक्षा के लिए दो दिवसीय राज्य के दौरे पर हैं। वे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे और अन्य राष्ट्रीय राजमार्गों की चल रही परियोजनाओं की समीक्षा के लिए गुजरात आए हुए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र की 20,000 करोड़ की मंजूरी से हाइवे मरम्मत,विस्तार और नई सड़क परियोजनाओं को बड़ी गति और मजबूती मिलने की उम्मीद है। गुरुवार को केंद्रीय मंत्री गडकरी सूरत एयरपोर्ट पहुंचे और वहां पर उतरते ही तुरंत दक्षिण गुजरात के सड़क प्रोजेक्ट्स के निरीक्षण के लिए रवाना हो गए। उन्होंने जमीन पर सड़क की गुणवत्ता का अनुभव लेने के लिए लगभग 10 सीट वाली विशेष बस में सफर किया। इस बस में उनके साथ एनएचएआइ (एनएचएआइ) के वरिष्ठ अधिकारी और प्रोजेक्ट से जुड़े विशेषज्ञ अधिकारी भी मौजूद थे। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि उनका उद्देश्य ऑफिस में बैठकर नहीं, बल्कि खुद हाइवे पर यात्रा कर सड़क की गुणवत्ता, मजबूती और सतह की स्थिति को सीधे परखना है, ताकि वाहन चालकों को हो रही समस्याओं को समझा जा सके। उनका यह दौरा दक्षिण गुजरात की सड़क व्यवस्था सुधारने में बेहद महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

300 किमी से अधिक हाइवे और एक्सप्रेस-वे का होगा निरीक्षण

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अनुसार केंद्रीय मंत्री गडकरी गुजरात में एन एच-53 और एन एच-48 के करीब 100 किमी हिस्से का बाय-रोड निरीक्षण किया और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के 200 किमी से अधिक हिस्से का हेलिकॉप्टर से एरियल सर्वे करेंगे। इसके अलावा सड़क निर्माण, डिजाइन,इंटरचेंज,ट्रैफिक व्यवस्था और स्थानीय शिकायतों की मौके पर समीक्षा और समाधान करेंगे। उन्होंने कहा कि यह निरीक्षण सिर्फ समीक्षा नहीं,बल्कि सड़क परियोजनाओं में आ रही समस्याओं का तात्कालिक समाधान निकालने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

कर्नाटक में सत्ता साझेदारी का मुद्दा जल्द सुलझेगा : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली, 27 नवम्बर 2025। कर्नाटक कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर बढ़ते विवाद के बीच पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे गुरुवार को दिल्ली पहुंच गए हैं। खरगे इंदिरा गांधी कांग्रेस भवन में प्रस्तावित पार्टी आलाकमान की महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेंगे, जहां मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पदों की सत्ता साझेदारी पर चर्चा होने की उम्मीद है। दिल्ली रवाना होने से पहले बेंगलुरु में मीडिया से बातचीत में खड़गे ने कहा कि वे पार्टी के तीन से चार शीर्ष नेताओं से सलाह-मशविरा करेंगे। उन्होंने कहा, आलाकमान सभी मुद्दों पर उचित निर्णय लेगा। मुख्यमंत्री-उपमुख्यमंत्री के समीकरण और सत्ता हस्तांतरण से जुड़े सवालों पर भी स्पष्ट फैसला लिया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कांग्रेस में फैसले किसी एक व्यक्ति द्वारा नहीं लिए जाते,बल्कि सामूहिक चर्चा के बाद तय होते हैं।

संपादकीय

मत प्रतिशत की मनचाही व्याख्या

महागठबंधन के दल अपने-अपने नजरिये से विश्लेषण कर रहे...

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों का भाजपानीत राजग और राजद की अगुआई वाले महागठबंधन के दल अपने-अपने नजरिये से विश्लेषण कर रहे हैं। राजद के नेता इस पर संदेह जता रहे हैं कि उसे सबसे ज्यादा वोट प्रतिशत मिला,फिर सीटें इतनी कम क्यों आईं? कांग्रेस का भी कहना है कि उसे लोजपा (आर) से अधिक मत मिले, फिर भी उसकी सीटें उससे कम क्यों? इसकी आड़ लेकर महागठबंधन के दल चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहे हैं। यह साफ है कि यदि आने वाले विधानसभा चुनावों में भी विपक्षी दल पराजित होते हैं तो वे इसी तरह के तर्क देंगे और पूरी चुनाव प्रक्रिया,चुनाव आयोग,मतदान प्रतिशत, मतगणना आदि पर प्रश्न उठाएंगे। इसलिए इस पहलू से जुड़े सभी तथ्यों का विश्लेषण आवश्यक है।

यह सच है कि बिहार में राजद को सर्वाधिक 23 प्रतिशत वोट मिले जबकि सीटें केवल 25 मिलीं। वहीं भाजपा को 20.08 प्रतिशत मत में 89 सीटें तथा जदयू को 19.25 प्रतिशत मत में 85 सीटें मिलीं। राजग में चिराग पासवान की लोजपा (आर) को 4.97 प्रतिशत वोट में 19 सीटें मिल गईं, जबकि कांग्रेस 8.71 प्रतिशत मत पाकर भी केवल छह सीटें ही जीत पाई। प्रथमदृष्ट्या भारतीय चुनाव और अंकगणित को न समझने वाले इसे अन्याय करार देंगे और दे भी रहे हैं। ध्यान रखिए, 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को 19.46 प्रतिशत और जदयू को 15.39 प्रतिशत मत मिले थे। तब भाजपा 74 और जदयू 43 सीटों पर सिमट गई थी। लोजपा (आर) 5.66 प्रतिशत मत पाकर भी केवल एक सीट जीत सकी थी।

बिहार में इस बार भाजपा और जदयू 101-101 सीटों पर चुनाव लड़े, जबकि राजद 143 सीटों पर। राजद 42 अधिक सीटों पर चुनाव लड़ा, लिहाजा उसे मत भी ज्यादा मिले। ज्यादा मत प्रतिशत पाकर भी लोजपा (आर) पिछली बार इसलिए नहीं जीत सकी थी,क्योंकि वह अकेले चुनाव मैदान में थी। जबकि इस बार वह राजग का हिस्सा थी। लिहाजा कम मत प्रतिशत में ज्यादा सीटें जीतीं। कांग्रेस को 2020 में 9.48 प्रतिशत मत मिले थे,जो इस बार घट गए। यह इसलिए हुआ,क्योंकि कांग्रेस 2020 में 70 सीटों पर लड़ी थी,जबकि इस बार 61 सीटों पर। मत प्रतिशत के मामले में असदुद्दीन ओवैसी की एआइएमआइएम और बसपा लगभग समान रहीं,लेकिन एआइएमआइएम ने पांच सीटें जीतीं, जबकि बसपा ने केवल एक। 2020 की तुलना में राजद के मतों में 0.11 प्रतिशत की कमी आई,जबकि भाजपा के मत 1.34 प्रतिशत और जदयू के मत में 3.86 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

वर्ष 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव के उदाहरण से यह और स्पष्ट हो जाता है। तब राजद केवल 18.4 प्रतिशत मत पाकर 80 स्थानों पर विजयी रहा था,जबकि भाजपा 24.4 प्रतिशत मत पाकर भी 53 स्थानों पर सिमट गई थी। इस बार महागठबंधन में सबके मत प्रतिशत गिरे हैं। सीपीआइ (एमएल) का मत 3.16 से घटकर 2.84 प्रतिशत रह गया। जहां तक लोजपा (आर) की बात है तो उसने 2020 में 137 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। इस कारण उसका मत प्रतिशत ज्यादा था। स्पष्ट है कि यह जरूरी नहीं कि किसी राजनीतिक पार्टी का मत प्रतिशत ज्यादा है तो उसे सीटें भी अधिक मिलेंगी। इस बार राजद को प्रति सीट औसतन 80 हजार 742 मत मिले, जबकि भाजपा को प्रति सीट औसत 99 हजार 813 वोट,जदयू को 95 हजार 714 और लोजपा को 89 हजार 191 मत मिले।

इसी से पता चलता है राजद को कितना कम वोट मिला। कुल लड़ी गई सीटों पर राजद का मत 39.6 प्रतिशत रहा,जबकि भाजपा का 48.3 प्रतिशत,जदयू का 46.3 प्रतिशत और लोजपा का 43.1 प्रतिशत। इस तरह भाजपा का अपनी लड़ी गई सीटों पर मत प्रतिशत राजद से 8.7 प्रतिशत, जदयू का 6.5 एवं लोजपा का 3.5 प्रतिशत ज्यादा रहा। यानी 9.3 प्रतिशत का अंतर रहा। लोजपा,हम और रालोमो के विरुद्ध 31 सीटों पर चुनाव लड़कर राजद ने केवल 11 सीटें जीतीं और 20 हार गया। हारी गईं सीटों पर राजद का औसत मत 37.8 प्रतिशत रहा, जबकि विजेता दलों का 46.6 प्रतिशत। यहां हार का औसत अंतर 8.9 प्रतिशत हुआ। इस प्रकार महागठबंधन राजग के मुकाबले प्रति सीट औसत मत हासिल करने में बहुत पीछे रहा। इससे साबित होता है कि मतदाताओं के बहुत बड़े वर्ग ने राजद, कांग्रेस सहित महागठबंधन को किसी सूरत में सत्ता में न आने देने का मन बना लिया था।

मैदानी सच्चाई,विकास का दावा और आक्रोश की धुआँ

आदिवासी घर तोड़ने के आरोप से उपजा आक्रोश...पत्रकार की अकेली यात्रा... और ग्राउंड पर दिखी एक ऐसी तस्वीर...जिसे दोनों चश्मों से देखने की जरूरत है...

- *मंत्री के दौरे में छिपी वह कहानी जो बाहर से नहीं दिखती*
- *मंत्री का दौरा विकास की चमक या सवालों की धुन?*
- *पत्रकार की नज़र से उठती सच्चाई की पूरी कहानी*
- *गृह क्षेत्र में विकास,विभाग में सवाल,मंत्री के दौरे ने खोले कई परतें*
- *अतिक्रमण विवाद से शुरू हुई यात्रा, विकास की चमक पर जाकर रुकी, मंत्री के इलाके की जमीनी पड़ताल...*

रवि सिंह
कोरिया,छत्तीसगढ़

जो लेख लिख रहा हूँ, कुछ लोगों को चाटुकारिता लगेगा,कुछ को यह मंत्री-प्रशंसा सा दिखेगा, पर जो लोग दोनों चश्मे–एक लगाकर और एक हटाकर–सच्चाई देखने की हिम्मत रखते हैं,उन्हें यह कहानी वास्तविक लगेगी, क्योंकि यह कहानी मुझे समझ में आई मैदान में,धूल-धक्कड़ वाले रास्तों में, जहाँ जनता, मंत्री और सच्चाई तीनों आमने-सामने थे,यह कहानी जादू भी लग सकती है और कड़वी हकीकत भी यह इस बात पर निर्भर है कि आप इसे किस नजरिए से पढ़ते हैं,समर्थक इसे सराहेंगे, विरोधी इसे राजनीति समझेंगे,पर जो दोनो चश्मा उतारकर और उठाकर दोनों तरह से देखने का हुनर रखते हैं उन्हें यह कहानी बिल्कुल वैसी ही दिखेगी जैसी मुझे दौरे के दौरान दिखी,मैं निकला था आक्रोश में, सूचना मिली थी कि मंत्री के गृह ग्राम में एक आदिवासी परिवार का घर 'अतिक्रमण' बताकर तोड़ दिया गया,आवाज़ें थीं कि कार्रवाई मनमानी थी गांव में गुस्सा था, और एक पत्रकार के मन में भी आक्रोश होना स्वाभाविक था, मैंने तय किया, सीधे मंत्री से पूछकर ही लौटूंगा। मंत्री-विधायक के साथ तस्वीर खिंचवाने का शौक मुझे नहीं है,मेरा काम सत्ता के साथ खड़े होकर फोटो खिंचवाना नहीं, बल्कि उनके अच्छे-बुरे कार्यकाल पर रोशनी डालना है, इसलिए मैंने फोटो जरूर नहीं ली, लेकिन सवाल अपने पूरे पूछे और अपने काम को बिना किसी समझौते के पूरा किया।

दौरा शुरू...समय नहीं, सफर लंबा, और एक पत्रकार की जिद

मुझे मंत्री से 10 बजे का समय मिला था,पर मौके तक पहुंचने में देर हो गई, फिर भी यह मुलाकात ज़रूरी थी क्योंकि सवाल थे, और जवाब बिना सुने कहानी अधूरी रहती,मेरे सहयोगी व्यस्त थे, इसलिए अकेले निकल पड़ा,और मैं अकेला ही निकल पड़ा क्योंकि सवाल मेरे थे,जवाब ढूंढना भी मेरा ही काम था,मंत्री दौरे पर थे और मुझे उनके सहायक से लोकेशन लेकर आगे बढ़ना पड़ा, पर इसी दौरान उनके विधानसभा की तस्वीर मेरे सामने खुलती गई, चौड़ी सड़कें,बड़े भवन, कार्यालय,सुविधाओं का जमावड़ा,यही वो चीजें थीं जो उनके गृह क्षेत्र के आसपास होनी चाहिए, और अब वास्तव में दिख भी रही थीं।

दौरे के बीच विकास की अनदेखी तस्वीर

निज सहायक से लोकेशन लेकर मैं मंत्री के दौरे के पीछे-पीछे चल पड़ा, रास्ते में जिस इलाके को पार किया, वह मुझे सचमुच चौंकाने वाला था,चौड़ी-चौड़ी सड़कें, बड़े-बड़े सरकारी भवन, कार्यालय,सिंचाई ढाँचे,पुल-पुलियां, सबस्टेशन यह वही क्षेत्र था जहाँ पहले भाजपा को वोट मिलना मुश्किल हुआ करता था, पर तस्वीर अब अलग थी।

पहला पड़ाव...

ग्रामीणों की भीड़, बिजली बिल का विवाद

मंत्री एक कार्यक्रम में बैठे ग्रामीणों की समस्याएं सुन रहे थे,सबसे ज्यादा शिकायत–बिजली बिल बढ़ने की,मंत्री बोले अगर सुविधाएँ बढ़ रही हैं,धान अच्छे दामों में बिक रहा है,आय बढ़ रही हैज तो बिजली बिल में थोड़ा बहुत बढ़ना बड़ी समस्या नहीं माना जा सकता, सुविधाएँ मिलेंगी तो थोड़ा देना भी पड़ेगा,मैं भीड़ से दूर खड़ा सब देख रहा था,पर उनसे बात अभी भी नहीं हो पाई थी।

दूसरा पड़ाव

धान खरीदी केंद्र,जहाँ मंत्री खुद 'किसान शिक्षक' बने...

अगला पड़ाव था धान खरीदी केंद्र का जहामंत्री किसानों से पूछते मिले की कोई दिक्कत तो नहीं? फिर उन्होंने धान से भरा हुआ बोरा उठाया, पलटा, और किसानों को सिखाने लगे कि धान का एक भी दाना कैसे न गिरे, वे खुद बोरा सिलकर दिखा रहे थे, धान का एक-एक दाना किसान की मेहनत है। इसे संभालकर रखना फर्ज है,यह दृश्य अलग था काम की बारीकियों पर मंत्री की पकड़ दिख रही थी,पर मेरे सवाल अब भी जेब में थे।

तीसरा पड़ाव

पेट्रोल पंप पर मिली सबसे बड़ा सवाल पूछने की जगह

अंततः उनका वाहन एक पेट्रोल पंप पर रुका, यह अवसर था–मैं आगे बढ़ा, मैंने सीधा प्रश्न रखा आपके गृह क्षेत्र में आदिवासी का घर टूटा, आपको जानकारी नहीं थी? मंत्री का जवाब था जानकारी नहीं थी,कार्रवाई विभागीय की थी, नियम अनुसार बताया गया, कांग्रेस इसे मुद्दा बना रही है फिर उन्होंने उल्टा सवाल किया अगर कार्रवाई गलत थी,तो इतने कांग्रेसी नेता कहाँ थे? भीड़ क्यों नहीं खड़ी हुई? जेसीबी रोकना मुश्किल था क्या? मेरे भीतर का आक्रोश पहली बार थोड़ा ठंडा हुआ, क्योंकि घटनाक्रम का दूसरा पक्ष भी सामने आ गया।

चौथा पड़ाव

16 गांवों के लिए चौथा सब-स्टेशन

अगला कार्यक्रम था चौथे सबस्टेशन का भूमि पूजन, यह जानकर मैं रुका,गृह क्षेत्र में इससे पहले तीन सबस्टेशन बन चुके हैं, और यह चौथा है,इससे बिल सम्बंधी समस्याएँ और वोल्टेज संकट काफी कम होंगे, यहीं से मैंने 20 साल के वोट प्रतिशत के रिकॉर्ड खंगाले जो चौंकाने वाले थे, बीजेपी का ग्राफ लगातार ऊपर गया है,कांग्रेस का गढ़ धीरे-धीरे ढहता दिखा, अब समझ में आया क्यों मंत्री महीने में 15 दिन इन ग्रामीण क्षेत्रों में दौरा करते हैं।

पर मंत्री का असली मूल्यांकन कहाँ होगा?

अपने क्षेत्र में मंत्री का काम दिख रहा है पर सवाल इससे बड़े हैं, क्या जिन क्षेत्रों ने उन्हें जिताया, वहाँ भी इतना ही विकास हुआ? क्या वहाँ के लोग संतुष्ट हैं? क्या उनके विभाग में पारदर्शिता है? क्या मंत्री केवल गृह क्षेत्र पर ध्यान दे रहे हैं,या पूरे जिले पर? यह सवाल आगे की रिपोर्ट का हिस्सा होंगे, क्योंकि विकास की चमक अच्छी है,पर पत्रकार को चमक के पीछे की दीवार भी देखनी होती है।

अंत...

विकास दिखा, पर सवाल भी उतने ही

मंत्रालय के काम, विभागीय खामियाँ, और अन्य क्षेत्र में विकास इन सबकी पड़ताल अभी बाकी है,पर इतना साफ है कि जहाँ कांग्रेस का किला था, वहाँ भाजपा सेंध लगा रही है, और मंत्री का लगातार दौरा इस बदलाव का बड़ा कारण है, अब देखना है कि क्या उनका विभाग भी उसी मेहनत से काम कर रहा है? और क्या जिन इलाकों ने उन्हें भारी वोट दिए,वे उतने ही खुश हैं?

अगले अंक में...

कड़वे सवाल...

यह दौरा कुछ बातों को साफ करता है मंत्री के अपने क्षेत्र में विकास दिखता है,भाजपा कांग्रेस के गढ़ में सेंध लगा रही है, मंत्री की सक्रियता ग्राउंड पर दिखती है पर सवाल अभी भी कायम है की क्या उनके विभाग में व्यवस्था इतनी ही सक्रिय और पारदर्शी है? और क्या पूरे जिले में विकास का संतुलन बराबर है? इन सवालों की पड़ताल अगले अंक में करेंगे, क्योंकि पत्रकार का काम सिर्फ तारीफ लिखना नहीं, कमियों को ढूंढना भी है, अच्छाइयों का फैसला जनता करेगी पर कमी को ढूंढना हमारी जिम्मेदारी है, अगले लेख में हम यह देखेंगे की जहाँ से मंत्री जीतते हैं, वहाँ कितना विकास है? उनके विभाग में कैसी स्थिति है? और जनता असल में क्या चाहती है?

भ्रष्टाचार का अमृत भोज

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

हमारे देश में जब भी कोई बड़ा उत्सव होता है फिर चाहे वह राष्ट्र निर्माण का हो, लोकतंत्र के चार साल पूरे होने का, या किसी नए घोटाले के सफल निष्पादन का एक बात तय होती है भोज। यह तस्वीर उसी परम पवित्र भोज का साक्षात प्रमाण है, जिसके बारे में कहा जाता है कि इसे खाने के बाद आदमी सीधे सत्ता के स्वर्ग में प्रवेश कर जाता है। मेज पर विराजमान हैं हमारे समाज के पंच-स्तंभ, जो एक-दूसरे को देख ऐसे मुस्कुरा रहे हैं, जैसे किसी राष्ट्रीय संपत्ति के बँटवारे का गुप्त फॉर्मूला उनके हाथ लग गया हो। केंद्र में हैं राजनेता जी, दही-बड़े पर ऐसे टूट रहे हैं,मानो देश की सकल घरेलू उत्पाद की दर को चबा रहे हों। बगल में बैंक वाले बाबू ऐसे शालीनता से खा रहे हैं, जैसे डिफॉल्टर बनने की अगली योजना पर चिंतन कर रहे हों। और हाँ, धार्मिक एकता का प्रदर्शन भी ज़रूरी है! सो,एक तरफ़ पादरी साहब हैं, दूसरी ओर इमाम साहब। दोनों के चेहरे पर आत्मिक शांति है, क्योंकि उन्होंने धर्म के नाम पर देश को लूटने के महायज्ञ में अपना-अपना आहुति-दान बराबर मात्रा में दे दिया है। और इनके बीच में, परंपराओं के संरक्षक ठाकुर साहब, जो ऐसे खा रहे हैं, जैसे उनकी रियासत का आखिरी किसान उनके प्लेट में परोसा गया हो। ये सब मिलकर, उस मेज पर, देश के सारे संसाधनों को, सारी सुविधाओं को, बड़े प्रेम और भाईचारे के साथ निगल रहे हैं। बाहर से देखने पर लगता है कि देश में सब चंगा है, क्योंकि नेताजी का पेट भर गया है। पर, इस पूरी व्यवस्था की नींव पर कौन खड़ा है? हाँ,वही, थाने का दरोगा रामसेवक।

थाने के दरोगा रामसेवक, जो नीचे खड़े हैं, उनकी वर्दी पर धूल और निराशा की एक मोटी परत जमी हुई है। वर्दी, जिसे पहनकर वे कभी देश का रखवाला बनने का सपना देखते थे,वह अब एक फटा हुआ, पैबंद लगा हुआ कपड़ा मात्र है। मेज पर बैठे लोगों की थाली में एक-एक मुर्गा है, लेकिन रामसेवक के हिस्से में भूख का कड़कड़ाता यथार्थ है। उनके सिर पर टोपी नहीं, बल्कि असुरक्षा का बोझ है। चित्र का संदेश एकदम स्पष्ट है- नो मील, नो यूनिफार्म,नो हाउसिंग... यानी खाने से लेकर कफ़न तक की कोई गारंटी नहीं। रामसेवक सोचता है:

हज़ूर,ये कैसी व्यवस्था है? इन वीआईपी लोगों को मैं जिस लाठी के बल पर सुरक्षा देता हूँ, वह लाठी भी मुझे अपने वेतन से ख़रीदनी पड़ती है। मेरे घर में टपकती छत है,पर नेताजी के फार्महाउस का बिल भी मुझे ही देखना पड़ता है। मेरी बीवी बीमार है, क्योंकि मेरे पास इंश्योरेंस नहीं है, पर मेज पर बैठा हर आदमी हेलीकॉप्टर के ख़र्चे का भी बीमा करा चुका है। उसे सबसे ज़्यादा दर्द होता है पेंशन न होने का। मतलब, तीस साल तक देश की सेवा करो, गुंडों से लड़ो, नेताओं के जूते उठाओ,और रिटायरमेंट पर खाली हाथ बैठो! यानी,जब तक शरीर में जान है,तब तक सिस्टम का डंडा बनकर काम करो, और जब डंडा टूटे, तो उसे कूड़ेदान में फेंक दो। रामसेवक को लगता है, वह पुलिसकर्मी नहीं,बल्कि एक सरकारी मज़दूर है,जिसे मुफ्त में लाठी थमा दी गई है।

रामसेवक हिम्मत करके मेज के पास जाता है। वह देखता है कि राजनेता जी प्लेट में बची हुई चाट को भी उँगली से चाट रहे हैं,ताकि कुछ भी बर्बाद न हो देश का पैसा हो या भोजन। रामसेवक ने टूटी हुई आवाज़ में पूछा...साहब! यह सब...यह सब हमारा हिस्सा है न? राजनेता जी ने रामसेवक की ओर देखा, जैसे उन्हें कोई मच्छर काट रहा हो। उन्होंने एक बूँद ग्रेवी निगलकर कहा, किसका हिस्सा? हाँ, बेटा, यह विकास का प्रसाद है। तुम लोगों को इसमें से क्या चाहिए? रामसेवक ने कहा, साहेब, हमें बस...पेंशन। बूढ़े होने पर कुछ सहारा। और यह जो जवान पीछे खड़ा है, इसे एक ठीक-ठाक वर्दी,ताकि यह धूप में थोड़ा बचा रहे। पादरी और इमाम साहब एक-दूसरे की ओर देखकर मंद-मंद मुस्कुराए। पादरी जी बोले, देखो बेटा, तुम्हारी सेवा ही तुम्हारा ईश्वरीय फल है। तुम अपनी सेवा से ही स्वर्ग पाओगे। इमाम साहब ने समर्थन किया, सही फरमाया। और यह दुनिया तो फ़ानी है। स्वर्ग में तुम्हें बीमा भी मिलेगा और घर भी। ज़रा सबर रखो, यह दुनिया तो एक परीक्षा है। बैंक वाले बाबू ने खाँसकर कहा, देखो दरोगा, हम यहाँ जो कुछ खा रहे हैं, वह अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए खा रहे हैं। तुम पेंशन माँगते हो? जानते हो,पेंशन देने से सरकारी खजाना खाली हो जाएगा! देश का विकास रुक जाएगा! इसलिए, तुम देश के लिए एक और कुर्बानी दो - अपनी पेंशन की! तुम भूखे रहोगे, तो हम देश को विकास की चाशनी में डुबो पाएँगे! रामसेवक को लगा, इन लोगों ने देश के विकास को एक मुर्गा मान लिया है, जिसे ये बड़े इत्मीनान से खा रहे हैं और उसे काटने में उनकी मदद करने के लिए रामसेवक को ही खड़ा किया गया है। रामसेवक समझ गया। इस पूरे खेल का एक ही नियम है: मेज के ऊपर वाले लोग सुविधाओं का अमृत पिएँगे और मेज के नीचे वाले लोग व्यवस्था का ज़हर पीकर देश की सेवा करेंगे। परसाई जी ठीक कहते थे...भ्रष्टाचार को दूर करना हो तो उसमें लग जाओ, वह अपने आप दूर हो जाएगा! यहाँ तो भ्रष्टाचार ही राष्ट्रीय चरित्र बन गया है। रामसेवक ने अपनी टूटी राइफल को कसकर पकड़ा। वह जानता है कि अगले दिन भी उसे इसी नेताजी की रैली की सुरक्षा करनी है, इसी बैंक के बाहर खड़ा होना है,और इन्हीं धर्मगुरुओं के प्रवचन स्थल को ज़ेड-प्लस सुरक्षा देनी है। वह जानता है कि विरोध करने पर उसे निलंबन का प्रसाद मिलेगा, जिसके बाद उसकी भूख और भी बढ़ जाएगी। इसलिए,उसने गहरी साँस ली, पीछे मुड़ा, और अँधेरे में खड़ा हो गया। मेज पर बैठे लोग अब डेज़र्ट खा रहे हैं देश का भविष्य और न्याय की मिठास। और नीचे,दरोगा रामसेवक, अपनी भूख,अपमान और बिना-पेंशन वाली नियति के साथ,देश की कानून-व्यवस्था का अंतिम स्तंभ बनकर खड़ा है। हैशटैग (पुलिस पेंशन विरोध) चिल्लाने वाले को अगले दिन रामसेवक ही लाठी मारकर भगाएगा। क्यों? क्योंकि उसे ड्यूटी करनी है, क्योंकि उसका पेट खाली है और उसका ज़मीर सरकारी मजबूरी के पिंजरे में बंद है। और यही हमारी महान व्यवस्था का सबसे बड़ा व्यंग्य है।

दिवालिया,कंगाल पाकिस्तान में इमरान खान की हत्या की साजिश

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

हकीकत या अफसाना

दिवालिया और कंगाल होते जा रहे पाकिस्तान में इन दिनों एक भयावह अफवाह तेज़ी से फैल रही है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में हत्या कर दी गई है और इस अफवाह ने पूरे देश में भूचाल ला दिया है। इमरान खान की बहनों ने आरोप लगाया है कि उन्हें मुलाक़ात का अधिकार नहीं दिया जा रहा है और पुलिस ने जेल के बाहर उनके साथ बदसलूकी की, जिसके बाद यह अफवाह और तेज़ी से फैल गई। सोशल-मीडिया पर कई पोस्टों में दावा किया गया कि इमरान खान को मार दिया गया है, जबकि स्वतंत्र रिपोर्टें अब तक इन अफवाहों की पुष्टि नहीं कर पाई हैं, परंतु उनकी स्थिति को लेकर गंभीर चिंता और संदेह पूरे पाकिस्तान में फैल चुका है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार अफवाहों और आरोपों की लहर पाकिस्तान की राजनीतिक अस्थिरता और सत्ता संघर्ष की गहराई को और उजागर करती है,क्योंकि सेना और फील्ड मार्शल असीम मुनीर के साथ इमरान खान का टकराव अब खुला और तीखा रूप ले चुका है। इस समय पाकिस्तान खुद आर्थिक बर्बादी के ऐसे गर्त में खड़ा है जहाँ से उबरने की कोई सुस्पष्ट आशा दिखाई नहीं देती। पाकिस्तान पर विदेशी कर्ज का पहाड़ टूट चुका है और उसकी आर्थिक धमनियाँ लगभग सूख चुकी हैं। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड द्वारा कई बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था लगातार नीचे की ओर जा रही है, क्योंकि इंटरनेशनल मोनेटरी फंड ने भी स्पष्ट रूप से कहा है कि पाकिस्तान की आर्थिक तबाही का मूल कारण भ्रष्टाचार और व्यवस्था की विफलता है,और यदि पाकिस्तान प्रशासनिक सुधार नहीं करता तो उनके सकल घरेलू उत्पाद में 6.5 प्रतिशत तक की भारी गिरावट का खतरा है । महंगाई ने जनता का जीवन नर्क बना दिया है, आटा 300 रुपये किलो से ऊपर,चीनी 400 रुपये किलो से ऊपर और सब्जियों-फल-दवा-बीज-बिजली सभी में आग लगी है, जबकि पाकिस्तान के ख़ज़ाने में सरकारी कर्मचारियों की तनख्वाह देने तक के पैसे नहीं हैं। पाकिस्तान की जनता रोज़मर्रा की वस्तुओं के लिए घंटों लाइन में खड़ी होकर भी जीवन-यापन के लिए संघर्ष कर रही है और देश की मुद्रा रुपये की कीमत गिरते-गिरते ऐतिहासिक न्यूनतम स्तर पर पहुँच चुकी है, वहीं इंटरनेशनल मोनेटरी फंड की मदद भी महज़ अस्थायी ऑक्सीजन मात्र साबित हुई है। सेना पर अत्यधिक निर्भरता और राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण शासन व्यवस्था पूरी तरह लकवाग्रस्त हो चुकी है, लोकतांत्रिक मूल्यों का ह्रास हो चुका है और इमरान खान से टकराव के बाद विपक्ष और आवाम दोनों ही सड़कों पर उतर आए हैं। यह स्थिति पाकिस्तान की राजनीतिक नेतृत्वहीनता को उजागर करती है, क्योंकि न वहाँ कोई ऐसा मंत्री है जो दूरदर्शिता रखता हो और न कोई ऐसी योजना है जो जनता को राहत दे सके। कर्ज का कर्ज चुकाने के लिए पाकिस्तान फिर नए कर्ज लेने को मजबूर है, इंटरनेशनल मोनेटरी फंड यूएई और अमेरिका और विश्व बैंक से मिलने वाला सहायता-पैकेज भी देश की अर्थव्यवस्था में स्थायी सुधार का उपाय नहीं बन पा रहा है। चीन पाकिस्तान को महज़ अपना कर्ज-गुलाम समझता है और उसका चीन पाकिस्तान इकोनामिक कॉरिडोर प्रोजेक्ट भी अब पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर बोझ के रूप में साबित हो रहा है। ऐसे में पाकिस्तान के सत्ताधारियों द्वारा भारत की ओर नफरत और युद्ध-बयानों को हवा देना केवल जनता का ध्यान असली मुद्दों से हटाने की हताशा-पूर्ण राजनीतिक चाल भर है, क्योंकि जिस देश की हालत यह है कि बिजली उत्पादन ठप, उद्योग बंद, उत्पादन GDP जमीन पर, गरीबी चरम पर, और आतंकवाद के एफएटीएफ की ग्रे-लिस्ट में नाम शामिल है, वह भारत जैसी स्थिर,शक्तिशाली और प्रगतिशील अर्थव्यवस्था को चुनौती दे, यह वास्तविकता नहीं बल्कि मुंगेरीलाल के हसीन सपनों की तरह है। इसी बौखलाहट का परिणाम था कि पाकिस्तान ने अपनी खुफिया एजेंसी और आतंकी तत्वों के माध्यम से जम्मू-कश्मीर में ड्रोन हमला जैसे कायरतापूर्ण प्रयास किए, जबकि दुनिया जानती है कि पाकिस्तान की कथनी और करनी में इतना अंतर है कि आतंकवाद उसके अस्तित्व का स्थायी सहारा बन चुका है। इमरान खान जिन्होंने क्रिकेट विश्व कप जीतकर कभी पाकिस्तान को एक पहचान दिलाई थी,वही आज अपने राजनीतिक करियर की सबसे काली सुरंग में फँस चुके हैं और सत्ता की लालच और अपरिपक्व नेतृत्व के कारण उन्होंने पाकिस्तान को दो वर्षों में ही ऐसे गर्त में धकेला जहाँ से वापसी लगभग असंभव दिखती है अब इमरान खान का कैरियर और जिंदगी अंतिम सांस ले रही है। दूसरी तरफ विपक्ष लगातार शाहबाज शरीफ के इस्तीफे की मांग कर रहा है,जनता गुस्से में है,महिलाएँ उनके विवादित बयानों से आहत हैं,और पाकिस्तान की जनता अब भूख और भय के दो पाटों के बीच पिस रही है। यदि हालात ऐसे ही रहे तो आने वाले समय में IMF-विश्व बैंक-और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ पाकिस्तान को ब्लैकलिस्ट में डाल सकती हैं और वह नाममात्र राष्ट्र के अस्तित्व से भी बाहर हो सकता है। यह भयावह स्थिति दर्शाती है कि पाकिस्तान न केवल आर्थिक रूप से दिवालिया है, बल्कि राजनीतिक-सामाजिक-नैतिक रूप से भी ढह चुका है और इमरान खान को लेकर फैली हत्या-अफवाह इस ढहते राष्ट्र की बेचैनी, अविश्वास और अंधकारमय भविष्य का प्रतीक है।

> *"कोई भी क्रोधित हो सकता है- यह आसान है, लेकिन सही व्यक्ति से सही सीमा में सही समय पर और सही उद्देश्य के साथ सही तरीके से क्रोधित होना सभी के बस कि बात नहीं है और यह आसान नहीं है।"*
>
> *-अरिस्टोटल*

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

केते एक्सटेंशन को मिली वन एवं पर्यावरण की मंजूरी

पूर्व सीएम बोले...अडाणी के नाम हुआ जंगल... टीएस सिंहदेव ने कही ये बड़ी बात

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ की राजनीति में एक बार फिर केते एक्सटेंशन कोल ब्लॉक का मुद्दा गर्म हो गया है। राज्य के वन विभाग ने 1,742.6 हेक्टेयर वन भूमि के हस्तांतरण की सिफारिश केंद्र को भेजी थी, जिसके बाद केते एक्सटेंशन के लिए वन एवं पर्यावरण की मंजूरी मिल गई है। बता दें कि इस मंजूरी के बाद राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड जयपुर की कंपनी द्वारा 1742 हेक्टेयर संरक्षित वन भूमि पर पेड़ों की कटाई के बाद कोल खनन किया जाएगा। पर्यावरण विभाग द्वारा मंजूरी दिए जाने के बाद छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि इससे साबित होता है कि भाजपा को जनता और जनहित की चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज्य की जनता के साथ मिलकर इस मंजूरी का

भरपूर विरोध करेगी। वहीं केते एक्सटेंशन खदान का विरोध कर रहे टीएस सिंहदेव ने छत्तीसगढ़ सरकार के इस फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। टीएस सिंहदेव ने कहा कि इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जाने के रास्ते तलाशे जाएंगे।

भूपेश बघेल ने कही ये बात

केते एक्सटेंशन कोल ब्लॉक के लिए डायवर्सन की मंजूरी दिए जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया है। भूपेश ने लिखा है...अडाणी के नाम हुआ जंगल, छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने भारी विरोध के बावजूद केते एक्सटेंशन के लिए वन एवं पर्यावरण की मंजूरी दे दी है। मतलब कि 1700 हेक्टेयर जंगल की कटाई होगी। ऐतिहासिक महत्व वाली रामगढ़ की पहाड़ियों पर खतरा मंडराता रहेगा। कांग्रेस राज्य की जनता के साथ मिलकर इस मंजूरी का भरपूर विरोध करेगी।

दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय, गलत जानकारी दी : टीएस

वहीं पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि यह निर्णय दुर्भाग्यपूर्ण है। रामगढ़ पहाड़ी को संभावित नुकसान के कारण यह ज्यादा चिंताजनक है। हम लोग देखेंगे कि इसमें कानूनी सहायता ली जा सकती है या नहीं। हाईकोर्ट जाने के विकल्प तलाशे जाएंगे।

अस्पताल में रीएजेंट की सप्लाई नहीं,रूकी जांचें

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों के बीमारी की संपूर्ण जांच नहीं हो पा रही है। इसका मुख्य कारण रीएजेंट केमिकल की कमी है। हमर लैब में रीएजेंट न होने के कारण लिवर,किडनी, हृदय और शुगर की जांच बंद है। जबकि स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने स्थानीय स्तर पर खरीदी करने की अनुमति देने की बात कही थी। इसके बावजूद भी रीएजेंट की व्यवस्था सीएमएचओ व मेडिकल कॉलेज अस्पताल प्रशासन द्वारा नहीं की जा रही है। इसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। मरीजों को निजी पैथोलॉजी लैब में महंगी जांच करवानी पड़ रही है। इससे खासकर गर्भवती महिलाएं और ग्रामीण क्षेत्रों के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के संभागीय क्षेत्र के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कई महीनों से मरीजों के लिवर, किडनी,हृदय और शुगर सहित अन्य गंभीर बीमारियों की जांच नहीं हो पा रही है। इसका मुख्य कारण है रीएजेंट की कमी। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लंबे समय से रीएजेंट की कमी बनी हुई है। इस कारण गंभीर बीमारियों से जुड़ी जांच नहीं हो पा रही है। ऐसी स्थिति में मरीजों को बाहर निजी पैथोलैब में जांच करानी पड़ रही है। उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी ग्रामीण क्षेत्र से आए गरीब मरीजों को हो रही है। जानकारी के अभाव में उन्हें परेशान होना पड़ता है।

स्थानीय स्तर पर खरीदी के थे निर्देश

कुछ दिन पूर्व अंबिकापुर पहुंचे स्वाथ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल से पत्रकारों ने अस्पताल में रीएजेंट की कमी की बात कही थी। इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा था कि स्थानीय स्तर पर सीएमएचओ

व मेडिकल कॉलेज अस्पताल प्रशासन को रीएजेंट खरीदने की अनुमति दी गई है। इसके बावजूद भी व्यवस्था नहीं सुधर पा रही है।

लैब का स्टोर प्रभार कलेक्टर दर के कर्मचारी को

हमर लैब के स्टोर की जिम्मेदारी कलेक्टर दर पर कार्यरत अतुल गुप्ता को दी गई है। जबकि लैब में 10-12 नियमित व सीनियर लैब टेक्निशियन कार्यरत हैं। अस्पताल प्रशासन द्वारा लैब के स्टोर की जिम्मेदारी नियमित लैब टेक्निशियन को न देकर जूनियर कलेक्टर दर पर कार्यरत टेक्निशियन अतुल गुप्ता को दी गई है। लैब में कार्यरत टेक्निशियन का कहना है कि अतुल गुप्ता समय पर ड्यूटी भी नहीं पहुंचता है। इस वजह से समय पर स्टोर से सामान नहीं मिल पाने के कारण जांच भी प्रभावित होती है। पूर्व में सीजीएमएससी द्वारा स्थानीय स्तर पर रीएजेंट खरीदी करने की अनुमति मिली थी। वर्तमान में अनुमति नहीं है। इस कारण ओपीडी के मरीजों की जांच नहीं हो पा रही है। रीएजेंट मिलने के बाद मरीजों की संपूर्ण जांच की जाएगी। वहीं कॉन्ट्रेक्ट कर्मी को लैब स्टोर का प्रभार दिए जाने की जानकारी मुझे नहीं है। पता कराता हूं।

अंबिकापुर में गायों की चोरी की घटनाएं बढ़ी,तस्करी गिरोह का हौसला बढ़ा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

गौवंश की चोरी की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं, और तस्करों का हौसला भी आसमान छूने लगा है। हाल ही में शहर के दो अलग-अलग स्थानों से गायों की चोरी की वारदातें सामने आई हैं, जिनमें से एक घटना सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई है। इन घटनाओं से मवेशी पालकों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है, और अब पुलिस प्रशासन भी इन घटनाओं को लेकर गंभीर हो गया है। पहली घटना 26 नवम्बर को केदारपुर क्षेत्र के

परमानन्द तिवारी के घर के सामने घटी, जहां चोरों ने एक पालतू गाय और बछड़े को स्कार्पियो वाहन में लादकर चुपके से गायब कर दिया। तिवारी ने सुबह उठने पर गाय गायब पाई,तो उन्होंने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों का फुटेज चेक किया। फुटेज में दो चोरों को स्कार्पियो में गाय और बछड़े को लादते हुए देखा गया। सीसीटीवी में यह भी दिखा कि गाय ने भागने की कोशिश की, लेकिन रस्सी से बंधे होने के कारण वह भाग नहीं पाई। चोरी किए गए गौवंश में एक गर्भवती गाय भी शामिल थी, जिसकी कीमत करीब 25 हजार रुपये बताई जा रही है। तिवारी ने घटना की सूचना कोतवाली थाना में दी और पुलिस को सीसीटीवी फुटेज भी सौंपे।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और चोरों की तलाश की जा रही है। दूसरी घटना गांधी चौक के पास गांधीनगर थाना क्षेत्र में घटित हुई, जहां अज्ञात चोरों ने ओम मेडिकल के बाहर बंधी भूरे रंग की गाय को स्कार्पियो में लादकर फरार हो गए। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें चोर गाय को स्कार्पियो में डालते हुए नजर आ रहे हैं। हालांकि, गाड़ी का नंबर स्पष्ट नहीं दिख रहा है,जिससे पुलिस के लिए आरोपी का पता लगाना मुश्किल हो रहा है। इन बढ़ती घटनाओं के बाद मवेशी पालकों को अपनी गायों की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है,खासकर उन लोगों को जो अपनी गायों को खुले में छोड़ देते हैं। पुलिस प्रशासन भी इस प्रकार की तस्करी पर कड़ी निगरानी रखे हुए है और मामले की गंभीरता से जांच कर रहा है।

सरगुजा संभाग में फिर शुरू हुई कड़ाके की ठंड,न्यूनतम तापमान 6 डिग्री

कोहरे का भी असर,सुबह विजिब्लिटी 500 मिटर तक रही

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में शीतलहर फिर से शुरू हो गया है। अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 6 डिग्री तक पहुंच गया है। वहीं बलरामपुर जिले के सामरी पाट व सरगुजा के मैनपाट का तापमान 4 डिग्री के करीब है। इन दोनों जगहों पर सबसे अधिक ठंड पड़ती है। ठंड से लोगों का हाल बेहाल है। गुरुवार की सुबह घने कोहरे का भी असर रहा। जिसकी बिजब्लिटी 500 मिटर तक रही। इस कारण वाहन चलाने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वाहनों की गति पर ब्रेक लगी रही। वहीं मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। ठंड से अभी राहत की उम्मीद नहीं है। नवंबर महीने के शुरूआत में कड़ाके की ठंड सरगुजा संभाग में पडऩी शुरू हुई थी। 11 दिनों तक न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे बना हुआ था। इस दौरान वर्षों का रिकॉर्ड टूटा था। इसके बाद अफगानिस्तान में बने विक्षोभ के

कारण तापमान में वृद्धि हुई थी। न्यूनतम तापमान बढ़कर 11 डिग्री तक पहुंच गया था। मौसम साफ होते ही 24 नवंबर से तापमान में गिरावट आनी शुरू हुई। तीन दिन के अंदर न्यूनतम तापमान गिरकर गुरुवार को 6 डिग्री पहुंच गया है। इससे सरगुजा संभाग में शीतलहर की वापसी पुनः हुई है। ठंड से लोगों का हाल बेहाल है। लोगों को तीन में भी राहत नहीं है। बर्फिली हवा के कारण लोग कनकनी महसूस कर रहे हैं। मौसम वैज्ञानिक एएम भट्ट के अनुसार अंडमान सागर के 'सेनयार' चक्रवाती तूफान के कमजोर पड़ते ही श्रीलंका - तमिलनाडु के क्षेत्र में परिसंचरित सुस्पष्ट अवदाब आज 'डिटवा' चक्रवाती तूफान में बदल गया है। इसके प्रभाव से तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों में आगामी 30 नबम्बर तक व्यापक वर्षा कहीं कहीं भारी से अति भारी वर्षा की संभावना है। इसका असर सरगुजा संभाग में भी देखा जा सकता है। बादल का असर रहेगा। मौसम वैज्ञानिक एएम भट्ट के अनुसार उत्तरी शीतलहर के कारण न्यूनतम व अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। अधिकतम 24 व न्यूनतम 6 डिग्री दर्ज पहुंच गया है। न्यूनतम तापमान औसत से करीब 5 डिग्री कम है।

500 मिटर तक रही विजब्लिटी : सरगुजा संभाग शीतलहर की चपेट में है। गुरुवार की सुबह कई इलाकों में कोहरा छाया रहा। विजब्लिटी 500 मिटर तक रही। इससे वाहन चलाने वाले लोगों को काफी परेशानी हुई। वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लगी रही। अंबिकापुर के साथ-साथ बलरामपुर जिले के सामरीपाट व सरगुजा के मैनपाट का तापमान करीब 4 डिग्री तक पहुंच गया है। यहां शीत की बूंदे जमनी शुरू हो गई है।

बिरसा मुंडा जयंती पर शासकीय महाविद्यालय राजपुर में सामरी विधायक के मुख्य अतिथि में जनजातीय गौरव दिवस सम्पन्न

महाविद्यालय के प्राचार्य के द्वारा विधायक के समक्ष रखी प्रमुख मांगे

-संवाददाता-
राजपुर,27 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर महाविद्यालय में बिरसा मुंडा की जयंती पर 'जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत' के अंतर्गत जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया । इसके अंतर्गत विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सामरी विधायक उद्देश्वरी पैकरा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। ज्ञात हो कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर हर वर्ष 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाया जाता है। भगवान बिरसा ने स्वतंत्रता के साथ साथ जल,जंगल,जमीन की लड़ाई लड़कर जनजातीय समाज के लिए मजबूती से लड़ाई लड़ी और कई जिसमें असंख्य आदिवासियों ने बलिदान भी दिए थे। आयोजन के जरिए इन्हीं आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान के प्रति सम्मान जताया जाता है।महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने मुख्य अतिथियों का पुष्प गुच्छ और बैच लगाकर,माथे पर टिका लगाकर स्वागत किया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा भारत माता और जनजातीय महानायकों के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा राज्य गीत,स्वागत गीत, सांस्कृतिक करमा नृत्य, जनजातीय गीत आदि का भी आयोजन किया गया। मंच का संचालन अंग्रेजी के सहायक प्राध्यापक मनोज खलखो द्वारा किया गया और धन्यवाद एवं आभार प्रकट सहायक प्राध्यापक श्रीमती लीलावती पैंकरा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की सुरक्षा व सुचारू संचालन हेतु राजपुर थाना प्रभारी भारद्वाज सिंह के द्वारा पुलिस बल की तैनाती की गई। सामरी विधायक उद्देश्वरी पैंकरा ने अपने उद्बोधन में बिरसा मुंडा के जन्म से लेकर इनके जीवन की संघर्ष गाथा बताते हुए जनजातीय समाज के ऐतिहासिक,सामाजिक एवं सांस्कृतिक धरोहर से परिचित कराते हुए जनजातीय समाज द्वारा जल-जंगल-जमीन के संरक्षण हेतु किये गये संघर्ष एवं देश हित में किये गये बलिदान को स्मरण कराया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने इतिहास और संस्कृति को भूलना नहीं चाहिए बल्कि पुराने समय से चलते आ रहे संस्कृति को संजो कर रखना चाहिए और इसका अनुसरण करना चाहिए।

जनजातीय व्यंजनों का स्टॉल बना आकर्षण का केंद्र : छात्राओं द्वारा लगाए गए जनजातीय व्यंजनों के स्टॉल ने अतिथियों और उपस्थित लोगों का खास ध्यान आकर्षित किया।स्टॉल में ठेकुआ,खुरमा,फरा,चावल रोटी, पुआ,अईरसा रोटी,गेथी कांदा सहित पारंपरिक व्यंजनों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई। जनप्रतिनिधियों,अतिथियों एवं पत्रकारों ने इन व्यंजनों का स्वाद लेते हुए छात्राओं की सराहना की।

प्राचार्य जीतन राम पैंकरा ने सामरी विधायक के समक्ष रखी प्रमुख मांगे...

गत वर्ष इसी मंच से विधायक द्वारा तहसील मेन रोड से महाविद्यालय तक सड़क निर्माण, तथा साइकिल स्टैंड निर्माण जैसी महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई थीं।इस वर्ष कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय प्राचार्य जीतन राम पैंकरा ने पुनः आग्रह रखते हुए कहा कि सड़क और साइकिल स्टैंड की सुविधा विद्यार्थियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस पर विधायक उद्देश्वरी पैंकरा ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए कहा कि कार्यों की फाइल संबंधित विभागों को भेज दी गई है जल्द ही सड़क निर्माण को पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। शीघ्र ही भूमिपूजन कर निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

कटघोरा-अंबिकापुर हाईवे पर अफरातफरी जोरदार टक्कर से पिकअप के उड़े परखच्चे

-संवाददाता-
कोरबा,27 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

कटघोरा से अंबिकापुर नेशनल हाइवे 130 पर स्थित गुरसिया पुल के पास बड़ा सड़क हादसा हो गया। हादसा इतना भीषण था कि नेशनल हाइवे पर दो घंटे से अधिक समय तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा, जिसके कारण लंबी कतारें लग गईं और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

खराब खड़े ट्रेलर से पीछे से टकराई तेज रफ्तार पिकअप

जानकारी के अनुसार,गुरसिया पुल पर पहले से एक ट्रेलर ब्रेकडाउन होकर खड़ा था.इसी दौरान अंबिकापुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पीछे से ट्रेलर में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के तुरंत बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया।

पिकअप में लोड था प्लास्टिक चावल,लोगों में आक्रोश

दुर्घटनाग्रस्त पिकअप वाहन में भारी मात्रा में प्लास्टिक चावल लदा हुआ था, जिसे देखकर स्थानीय लोग आक्रोशित हो उठे.लोगों का कहना है कि इस तरह की सामग्री की अवैध आवाजाही से स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा हो सकता है। पुलिस ने मौके पर मौजूद भीड़ को शांत करते हुए प्लास्टिक चावल की जांच कराने का आश्वासन दिया है।

दो घंटे से ट्रैफिक बाधित,पुलिस प्रयासरत

हादसे के बाद से नेशनल हाइवे 130 पर यातायात पूरी तरह ठप्प हो गया। दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइनें लग गईं.पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने का प्रयास कर रही है ताकि जल्द से जल्द यातायात सामान्य किया जा सके। यह घटना बांगों थाना क्षेत्र के गुरसिया इलाके की बताई जा रही है।

आईएएस अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर एसपी को सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-
सुरजपुर,27 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

एससी एसटी अधिकारी कर्मचारी संगठन के मध्यप्रदेश के नवनियुक्त प्रांत अध्यक्ष आईएएस अफसर संतोष वर्मा द्वारा ब्राह्मणों को लेकर पिछले दिनों दिए गए विवादास्पद बयान के बाद वर्मा के खिलाफ देश भर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। बढ़ते विरोध के बाद मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के अवर सचिव ने आईएएस संतोष कुमार वर्मा उपसचिव कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग को कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने को कहा है अन्यथा एकपक्षीय कार्यवाही की चेतावनी दी गई है। आज इसी मामले को

लेकर सर्व ब्राह्मण समाज सूरजपुर के जिलाध्यक्ष मनोज अवस्थी के अगुआई में समाज के लोगों ने आज पुलिस अधीक्षक सुरजपुर को ज्ञापन सौंप कर एफआईआई की मांग की है। गुरुवार को सूरजपुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंच सर्व ब्राह्मण समाज सुरजपुर के पदाधिकारियों ने दिए ज्ञापन में उल्लेख किया है कि एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी द्वारा विप्र समाज की बेटियों और समाज पर इस प्रकार की टिप्पणी किसी भी हाल में स्वीकार नहीं की जा सकती है। यह न सिर्फ मानहानि है बल्कि जातिगत अपमान का गंभीर अपराध भी है। समाज द्वारा सौंपे ज्ञापन में भारतीय दंड संहिता की धारा 499 और धारा 500 का विशेष उल्लेख किया गया है। ज्ञापन में बताया गया है कि एक लोकसेवक द्वारा ऐसी जातिगत टिप्पणी करना कानूनी रूप से और भी गंभीर अपराध बन जाता है। समाज ने यह भी कहा कि उक्त आईएएस अधिकारी का बयान नारी सम्मान और सामाजिक सौहार्द पर सीधा प्रहार है। समाज ने पुलिस अधीक्षक को दिए ज्ञापन में उल्लेख किया है कि यदि मामले में आईएस संतोष वर्मा के खिलाफ यदि एफआईआई नहीं ली गई तो मजबूरन आंदोलन करने बाध्य होना पड़ेगा। सर्व ब्राह्मण समाज सूरजपुर के जिलाध्यक्ष मनोज अवस्थी ने कहा कि हमने संविधान के दायरे में रहकर आवेदन दिया है। अब यह प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह अपनी निष्पक्षता दिखाए।

समाज के बेटियों के सम्मान और समाज की प्रतिष्ठा पर किसी तरह का हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान समाज के जिला अध्यक्ष मनोज अवस्थी,वरिष्ठ अधिवक्ता एच एन मिश्रा, जीएस मिश्रा,अशोक उपाध्याय,शेष नारायण शर्मा,गणेश,दिनेश द्विवेदी, शोभनाथ चौबे, दया चौबे,नीरज पांडेय, पूर्णानंद तिवारी,मनोज पांडेय,विनय पांडेय, वेदप्रकाश मिश्र, आनंद शर्मा व बड़ी संख्या में सर्व ब्राह्मण समाज के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने विधानसभा कुनकुरी के लिए 77.23 करोड़ रूपए लागत के 75 विकासकार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

-संवाददाता-
जशपुरनगर,27 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज कुनकुरी के नारायणपुर में आयोजित किसान महतारी सम्मेलन में कुनकुरी विधानसभा अंतर्गत 77 करोड़ 23 लाख 24 हजार रूपए की लागत के 75 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। इनमें 16 करोड़ 84 लाख 51 हजार रूपए लागत के 8 कार्यों का लोकार्पण और 60 करोड़ 38 लाख 73 हजार रुपए लागत के 67 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। मुख्यमंत्री साय ने 60 करोड़ 38

लाख 73 हजार रुपए लागत के जिन 67 कार्यों का भूमिपूजन किया, उनमें प्रमुख रूप से विकासखंड दुलदुला अंतर्गत 3.21 करोड़ लागत के जामपानी से बरपानी मार्ग, 5.48 करोड़ लागत के लोरोदफा से गढ़ारामबंध होते हुए जामपानी तक, 3.46 करोड़ लागत के मकरीबंधा से भलमंडा झारखण्ड पहुँच मार्ग, 5.48 करोड़ लागत के छेरडांड से टुकुटोली पहुँच मार्ग, 5.95 करोड़ लागत के ठुठीअम्बा से कादोपानी झारखण्ड पहुँच मार्ग तक, 5.83 करोड़ लागत के पोटकोसेमर साजापानी, केंदपानी से करांडांड दुलदुला पहुँच मार्ग शामिल है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री साय 16 करोड़ 84 लाख 51 हजार रूपए लागत के 8 कार्यों का लोकार्पण किया, उनमें प्रमुख रूप से 6.12 करोड़ लागत से निर्मित जिला-जशपुर के केराडीह-खुटगांव मार्ग पर बलियाजोरा नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य, 3.08 करोड़ लागत से निर्मित मकरिबंधा से दुलदुला मार्ग पर नदी में उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कार्य,विकासखंड मनोरा अंतर्गत ग्राम सोनक्यारी में 3.87 करोड़ की लागत से 33/11 केवी, 3.15 एमवीऐ क्षमता का उप केंद्र, पत्थलगांव ब्लॉक अंतर्गत ग्राम महेशपुर में 3.38 करोड़ रूपए की लागत से 33/11 केवी, 3.15 एमवीऐ क्षमता का उपकेंद्र शामिल है।

दो जिलों में गड़बड़ी...और दोनों जगह एक ही अधिकारी...क्या यह सिर्फ संयोग?

दो जिलों की दो अलग भर्तियाँ लेकिन गड़बड़ी का पैटर्न एक जैसा...क्या यह सिर्फ इत्तेफाक?

- दो जिलों में भर्ती विवाद...और शिकायतों में बार-बार एक ही अधिकारी का नाम!
- फर्जी अनुभव प्रमाण-पत्र,गलत स्कोरिंग,पसंदीदा चेहरों को लाभ...पूर्व विधायक का गंभीर आरोप
- महिला-बाल विकास एवं मिशन वात्सल्य केंद्रों में बड़ी गड़बड़ी का आरोप!
- पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने कलेक्टर को सौंपी 28 नियुक्तियों की संदिग्ध सूची
- चयनित 28 लोगों की पूरी लिस्ट प्रशासन के सामने,दस्तावेज़ सत्यापन की मांग तेज

एमसीबी और सूरजपुर दोनों जगह भर्ती विवाद में एक ही अधिकारी का नाम सामने आने से पारदर्शिता पर बड़े सवाल

भर्ती में बड़ा खेल एमसीबी के बाद सूरजपुर में भी वही पैटर्न उजागर, अनुभव बदल गए, प्रतिशत बढ़ गए, दोहरे रिकॉर्ड, एक उम्मीदवार दो वर्गों में चयनित

-ओंकार पाण्डेय-
सूरजपुर/एमसीबी,27 नवम्बर 2025
(दैनिक घटती-घटना)।

महिला एवं बाल विकास विभाग की भर्तियों में जिला बाल संरक्षण इकाई, मिशन वात्सल्य, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098,केस वर्कर, सुपरवाइजर और अन्य संवेदनशील पदों पर जारी चयन सूचियों ने एमसीबी और सूरजपुर दोनों जिलों में बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है, सबसे चौंकाने वाली बात दोनों जिलों की शिकायतों में एक ही अधिकारी का नाम उठने से चयन प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बड़ा सवाल,महिला एवं बाल विकास विभाग की संविदा भर्ती में पहले एमसीबी जिले में गड़बड़ी की शिकायतें,और अब सूरजपुर में सूची को लेकर बड़ा विवाद इन दोनों जगहों पर एक ही अधिकारी की तैनाती ने पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर तीखा सवाल खड़ा कर दिया है, यह आरोप अभ्यर्थियों और स्थानीय संगठनों की ओर से उठे हैं दो जिलों में दो अलग भर्तियाँ, लेकिन गड़बड़ी का पैटर्न एक जैसा क्या यह सिर्फ इत्तेफ़ाक है? एमसीबी जिले में संचालित नवा बिहाना योजना अंतर्गत सखी वन स्टॉप सेंटर,महिला सशक्तिकरण केंद्र,चाइल्ड हेल्पलाइन,मिशन वात्सल्य बाल संरक्षण इकाई, किशोर न्याय बोर्ड एवं बाल कल्याण समिति सहित कई महत्वपूर्ण संवेदनशील विभागों में भर्ती घोटाले का आरोप सामने आया है,पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कलेक्टर को पत्र लिखकर 28 चयनित नामों की सूची,पदनाम व संस्थाओं के साथ सौंपते हुए कहा कि इन नियुक्तियों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार,फर्जी अनुभव प्रमाण-पत्र और पसंदीदा आवेदकों को नियम तोड़कर पद दिए गए हैं।घटती-घटना इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं करता।

आरोपः कोई योग्यता नहीं,फिर भी चयन...

फर्जी अनुभव पत्रों से बढ़वाए अंक-पूर्व विधायक के अनुसार कई अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत अनुभव प्रमाण पत्र मान्य नहीं हैं, अंकसूची में मनचाहे ढंग से अंक जोड़े गए, योग्यता व अनुभव में कम अभ्यर्थियों को भी उच्च स्कोर दिखाकर चयन किया गया, कई संस्थाओं ने ऐसे अनुभव पत्र जारी किए जिनकी वैधता विवादित है उन्होंने कहा कि अंक तालिका में हेरफेर कर पसंदीदा चेहरों को भर्ती देने की सारी तैयारी की गई।

WCD सरगुजा-सूरजपुर भर्ती में बड़ा खेल!
WCD सरगुजा-सूरजपुर भर्ती में बड़े खेल के दस्तावेज सामने आए!
दैनिक घटती-घटना एक्सक्लूसिव

28 चयनित नामों की सूची प्रशासन को सौंपी...पूरा विवरण उजागर

पूर्व विधायक ने 28 नामों की पूर्ण सूची भी संलग्न की है जिनमें शामिल हैं,संरक्षण अधिकारी,सामाजिक कार्यकर्ता,आउटरीच वर्कर,काउंसलर, केस वर्कर,परीक्षा अधिकारी,बाल संरक्षण अधिकारी,चाइल्ड हेल्पलाइन सुपरवाइजर,परियोजना समन्यक,लेखापाल,डेटा एनालिस्ट आदि सूची में कोरिया,सुरजपुर,लखनपुर, सहित कई क्षेत्रों से चयनित नाम सम्मिलित हैं, गुलाब कमरों ने कहा कि अनुभव प्रमाण पत्रों और अंकों की जांच की जाए, कई मामलों में फर्जी अनुभव दिखाकर चयन कराया गया है।

जिले के अधिकारी ने मनमाने ढंग से चयन किया,पूर्व विधायक का आरोप

पत्र में आरोप है कि जिला अधिकारी शुभम बंसल द्वारा पदों का मनचाहे ढंग से चयन किया गया,अनुभव तथा कोशल परीक्षा अंक मैनिपुलेट कर अपने पसंदीदा लोगों को लाभ पहुंचाया गया, विश्वविद्यालय द्वारा जारी न किए गए डिप्लोमा/प्रमाण-पत्रों को भी मान्य मानकर चयन किया गया,कई संस्थाओं के संदिग्ध अनुभव पत्रों के आधार पर चयन किया गया उन्होंने इसे गंभीर प्रशासनिक अनियमितता बताते हुए तत्काल जांच की मांग की है।

शिकायतें, दस्तावेज़,अनुभव पत्र सब जमा हुए...लेकिन सूची वही

अभ्यर्थियों ने विभाग को बड़ी संख्या में आवेदन, दस्तावेज़ और विरोध दर्ज कराए थे इसके बावजूद वही नाम अंतिम सूची में रखे गए जिन पर सबसे ज्यादा आपत्तियाँ थीं,न तो अनुभव प्रमाण पत्रों की जांच हुई, न पात्र-अपात्र सूची की पुनर्समीक्षा,और न ही आवेदकों को सुनवाई का अवसर मिला,अभ्यर्थियों का आरोप सारी प्रक्रिया कागज़ों में पहले ही तय थी, इंटरव्यू सिर्फ रस्म निभाना था।

सवाल उठने की वजह क्या है?

अभ्यर्थियों द्वारा शिकायतों में कहा गया कि पात्र-अपात्र सूची में विरोधाभास,अनुभव अंकों में कटौती/वृद्धि,एक ही उम्मीदवार दो वर्गों में चयनित,शिकायतों के बावजूद वही सूची जारी, दस्तावेज़ जाँचे बिना लिस्ट फाइनल और सबसे बड़ी बात एमसीबी में ऐसे ही विवाद उठे थे और अब सूरजपुर में भी वही पैटर्न सामने आया, दोनों स्थानों पर सूची से जुड़ी आपत्तियों में एक ही अधिकारी का नाम दर्ज होने के कारण अभ्यर्थियों में यह चर्चा तेज है कि क्या भर्ती प्रक्रिया वास्तव में निष्पक्ष थी या फिर प्रबंधन स्तर पर एक ही पैटर्न दोहराया गया?

चहेतों को लाभ पहुँचाने भर्ती में की गई गड़बड़ी : गुलाब कमरों

पूर्व विधायक ने कहा यह भर्ती निष्पक्ष नहीं है,चयन प्रक्रिया पारदर्शी नहीं रही। कुछ लोगों को लाभ पहुँचाने के लिए पूरी प्रक्रिया मोड़ दी गई,सभी प्रमाण-पत्रों की जांच आवश्यक है।

कलेक्टर से कार्रवाई की मांग, सभी प्रमाण पत्रों की जांच हो...

पत्र के अंत में पूर्व विधायक ने मांग की सभी 28 आवेदकों के अनुभव प्रमाण-पत्रों की जांच हो, संदिग्ध प्रमाण पत्र जारी करने वाली संस्थाओं की वैधता की जांच, अंक तालिका व चयन प्रक्रिया की पुनः समीक्षा,गलत चयन पाए जाने पर तत्काल निरस्त कर नई प्रक्रिया चले

दो जिलों की भर्तियों में एक ही नाम क्यों गूँज रहा : अभ्यर्थियों का कहना है जहाँ भी एक ही अधिकारी की जिम्मेदारी होती है, वहाँ चयन विवाद सामने आते हैं...क्या यह सिर्फ संयोग हो सकता है? यह आरोप भले साबित न हों, लेकिन दो जिलों में लगातार एक जैसे विवादों का उभरना निश्चित रूप से राज्य स्तर की जांच को मजबूर करने वाला मुद्दा बन गया है।

अब यह 'एक जिले' का मामला नहीं पूरा पैटर्न जांच योग्य : दो जिलों में समान प्रकार की शिकायतें, समान प्रकार का विरोध, समान प्रकार के विरोधाभास, और शिकायतों में एक ही अधिकारी का नाम दो बार आने से यह मामला राज्यस्तरीय जांच का विषय बन चुका है,यह केवल आरोप नहीं—दो जिलों के दस्तावेज़ एक साथ कई सवाल खड़े कर रहे हैं।

अनुभव अंकों का खेल, दोहरे अनुभव और दोहरे प्रतिशत : दस्तावेज़ बताते हैं, कई उम्मीदवारों के अनुभव प्रमाण पत्र दो जिलों में दो अलग रिकॉर्ड दिखा रहे हैं, किसी का अनुभव बढ़ा, किसी का कम किया गया, प्रतिशत में बड़ा अंतर, अनुभव अंकों की गणना में विरोधाभास पात्रता तय करने में एक जैसा पैटर्न, सबसे विवादित मामले– पूजा गोस्वामी - दोहरा अनुभव, दो अलग प्रमाण पत्र, यशोदा गुप्ता - दो वर्गों में चयन, मनीषा कुशवाहा - दो वर्गों में प्रतिक्षा, प्रकाश राजवाड़े - प्रतिशत विवाद,खुशबू जयसवाल - अनुभव मान्यता विवाद,फुलेश्वरी/बुधन राम - सत्यापन विवाद

एमसीबी में भी यही हुआ था...: अब सूरजपुर में भी वही कहानी अभ्यर्थियों का आरोप- कुछ महीने पहले एमसीबी जिले में भी डब्ल्यूसीडी भर्ती को लेकर गंभीर विवाद उठा था, अभ्यर्थियों का कहना है एमसीबी में भी वही अधिकारी,सूरजपुर में भी वही...और दोनों जगह एक जैसा ही चयन पैटर्न। क्या यह सिर्फ संयोग हो सकता है? कई अभ्यर्थियों ने कहा जहाँ बंसल जैसे अधिकारी होते हैं, वहाँ पारदर्शी भर्ती की उम्मीद कम होती है, यह अभ्यर्थियों का आरोप है—दैनिक घटती-घटना इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं करता।

शिकायतों की अनदेखी प्रक्रिया पर ही सवालः अभ्यर्थियों के लिखित आवेदन, दस्तावेज़, अनुभव पत्र और गड़बड़ी के प्रमाण देने के बावजूद कोई फैक्ट-फाइंडिंग टीम नहीं बनी, कोई सत्यापन आदेश जारी नहीं, कोई पड़ताल नहीं,और अंत में उसी सूची को अंतिम कर दिया, अभ्यर्थियों का सीधा सवालः अगर सुनवाई करनी ही नहीं थी, तो शिकायतें मंगाई क्यों गईं? प्रक्रिया सिर्फ औपचारिकता क्यों बनाई गई?

सूरजपुर मामले में सबसे बड़ा विरोधाभासः इंटरव्यू एक—चयन दो-दो वर्गों में!-

सुपरवाइज़र पदः
- ओबीसी में चयनितः दिनेश यादव
- प्रतिक्षा : मनीषा कुशवाहा
- अनारक्षित में प्रतिक्षाः वही मनीषा कुशवाहा

केस वर्कर पदः
- अनारक्षित में चयनितः यशोदा गुप्ता

- ओबीसी में भी चयनितः वही यशोदा गुप्ता
- दोनों वर्गों में प्रतिक्षाः प्रकाश राजवाड़े

सवाल सीधाः अगर इंटरव्यू, अंक, दस्तावेज़ एक हों–तो दो वर्गों में दो अलग निर्णय कैसे? यह विभागीय मानकों से बड़ी असंगति मानी जा रही है।

प्रशासनिक प्रक्रिया पर बड़ा प्रश्नचिन्ह...भर्ती प्रक्रिया से जुड़े मूल प्रश्न–
- सवालः शिकायतों पर जांच क्यों नहीं?
- सवालः दस्तावेज़ सत्यापन समिति क्यों नहीं बनी?
- सवालः दोनों जिलों में एक जैसा विरोधाभास कैसे?
- सवालः क्या चयन पहले से तय थे?
- सवालः दोहरा चयन और दोहरे प्रतिशत की जांच किस स्तर पर होगी?

ये सभी मामले अब व्यक्ति नहीं–पूरी प्रणाली पर सवाल उठाते हैं।

पूर्व विधायक का बड़ा आरोप,तत्कालीन अधिकारी मंत्री के खास, मनमाफिक पोस्टिंग और मनमाफिक भर्ती– महिला एवं बाल विकास विभाग की भर्ती प्रक्रिया पर उठ रहे सवालों के बीच एक और बड़ा राजनीतिक आरोप सामने आया है, पूर्व विधायक ने दावा किया है कि भर्ती प्रक्रिया संचालित करने वाले तत्कालीन अधिकारी विभागीय मंत्री के खास माने जाते हैं,और इसी खास संबंध का फायदा लेकर उन्होंने न सिर्फ अपनी मनचाही पोस्टिंग ली, बल्कि एमसीबी से लेकर मंत्री के गृह जिलों तक मनमाफिक तरीके से काम किया,पूर्व विधायक के अनुसार,एमसीबी में मनचाहे ढंग से काम करने के बाद अधिकारी को मंत्री ने अपने जिले में बुला लिया, आरोप यह भी है कि वहां पहुंचकर भी उन्होंने उसी तर्ज पर भर्ती प्रक्रिया चलाई, जिस पर अब लगातार सवाल उठ रहे हैं।

सूरजपुर पुलिस के नए आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी का जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने फीटा काटकर किया शुभारंभ

पुलिस वही,कानून नई,नवीन कानून के दूरदर्शिता,न्याय पाने के पारदर्शिता होगी सुनिश्चित

-संवाददाता-
सुरजपुर,27 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

बदलते समय के साथ न्यायिक प्रणाली में तेजी लाने और जनता को नए आपराधिक कानूनों की जानकारी देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ के सूरजपुर पुलिस द्वारा सिटी कोतवाली परिसर में जागरूकता प्रदर्शनी का गुरूवार, 27 नवम्बर 2025 को जिला एवं सत्र न्यायाधीश सूरजपुर श्रीमती विनीता वार्नर के द्वारा किया गया।

इस प्रदर्शनी को लेकर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने आमजनता को आसानी से नए कानूनों की जानकारी दिखाकर और समझाने के लिए की बेहतर प्रबंधन किया है। नए कानूनों की इस प्रदर्शनी में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद प्रकाश वारियाल, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश मानवेन्द्र सिंह, द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुमित कुमार हर्षमाना, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कु. पायल टोपनो, कलेक्टर एस.जयवर्धन ने तीन नवीन कानूनों बीएनएस, बीएनएनएस, बीएसए की प्रर्दशनी का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। पुलिस वहअब पीड़िता या शिकायतकर्ता को उनकी शिकायत की प्रगति की जानकारी देना अनिवार्य है। इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से की गई शिकायतों पर तीन दिवस के भीतर एफआईआर दर्ज करना आवश्यक है। महिला अपराधों में 60 दिनों और अन्य मामलों में 90 दिनों के भीतर जांच पूरी कर चालान अदालत में प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

गंभीर अपराधों में फोरेंसिक जांच अनिवार्य की गई है तथा तलाशी, जप्ती प्रक्रिया का ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग आवश्यक है। बलात्कार मामलों में सात दिनों के भीतर मेडिकल रिपोर्ट देना भी अनिवार्य किया गया है।

देर रात घर में घुसकर महिला से मारपीट

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

देर रात बलपूर्वक घर में घुसकर महिला के साथ मारपीट करने के मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध अपराध दर्ज किया है। रिंग रोड खरसिया नाका में स्थित गौसियानगर में रहने वाली महिला ने पुलिस को बताया है कि 24 नवम्बर को वह अपने पति व बच्चों के साथ घर में सो रही थी। देर रात करीब दो बजे असगर अली गांव के मुबारक, जावेद, मंजुर, एहतेराम के साथ बलपूर्वक घर में घुसने लगा। मना करने पर वह धक्का मारकर घर के अंदर घुस गया, और गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देकर हाथ-मुक्का से मारपीट करने लगे। मारपीट के बीच गले से सोने का चैन गिर गया। आरोपियों ने महिला के घर का दिवाल व गेट भी क्षतिग्रस्त कर दिया।

पुलिस मौके का निरीक्षण करके अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

कोरबा में 100 करोड़ के मुआवजा घोटाले का खुलासा

सीबीआई ने इंटक नेता समेत दो पर किया केस दर्ज

-संवाददाता-
कोरबा,27 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

केंद्र सरकार के उपक्रम साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) में करीब दो वर्ष पूर्व हुए 100 करोड़ के मुआवजा घोटाले में सीबीआइ ने अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। जांच में सामने आया कि श्रमिक संगठन इंटक के जिला अध्यक्ष खुशाल जायसवाल को 1.60 करोड़ रुपये और राजेश जायसवाल को 1.83 करोड़ रुपये कूटरचित तरीके से अधिक मुआवजा दिलाया गया। एसईसीएल के मेगा प्रोजेक्ट दीपका कोयला खदान के लिए प्रबंधन ने वर्ष 2013 में मलगांव की जमीन अधिग्रहण की अधिसूचना जारी की थी। उस वक्त गांव को खाली नहीं कराया गया था और न हीं मुआवजा दिया गया था। साल 2023 में खदान के विस्तार के लिए जमीन की आवश्यकता पड़ी और प्रबंधन ने अधिग्रहण की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान मलगांव के प्रभावितों को मुआवजा वितरित किए जाने में व्यापक पैमाने पर गड़बड़ी की गई। जनवरी 2024 में आशीष कश्यप और लोकेश कुमार ने 100 करोड़ रुपये के मुआवजा वितरण के मामले में गड़बड़ी किए जाने का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की थी। कोल बेयरिंग एक्ट (सीबीए) की धारा 9 (1) के अनुरूप कम से कम पिछले पांच साल से जो प्रभावित गांव में निवासरत है,वही मुआवजा के लिए पात्र भू-विस्थापित होगा। जांच में पाया गया है कि खुशाल जायसवाल और राजेश जायसवाल ने संपत्ति के मुआवज़े के लिए एक से अधिक बार आवेदन किया।

एमसीबी में भाजपा की शक्ति का विस्फोट

जिला कार्यालय भूमिपूजन में उमड़ा जनसैलाब, मंत्रियों-नेताओं की ऐतिहासिक मौजूदगी

भाजपा का नव निर्माण दिवस...एमसीबी में भव्य जिला कार्यालय की नींव,प्रदेश अध्यक्ष से लेकर मंत्रियों तक का जमावड़ा

मंच पर दिग्गज...मैदान में सैलाब एमसीबी बीजेपी कार्यालय भूमिपूजन ने दिखाया संगठन की असली ताकत

जिलाध्यक्ष चंपा देवी पावले... नये कार्यालय से संगठन को नई ऊर्जा...

अपने उद्बोधन में जिलाध्यक्ष श्रीमती चंपा देवी पावले ने प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा सर्वसुविधायुक्त कार्यालय संगठन की मजबूती का आधार बनेगा। प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन से हर कार्यकर्ता में उत्साह और ऊर्जा का संचार हुआ है।

आज का दिन स्वर्ण अक्षरों में दर्ज होगाःस्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने भूमिपूजन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह कार्यालय भाजपा संगठन के लिए 'एक मंदिर की तरह' होगा, जहाँ से विचार, सेवा और संगठनात्मक ऊर्जा प्रसारित होगी, उन्होंने कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि भाजपा का मूल मंत्र सेवा, समर्पण और जनहित है।

संघर्ष से निर्माण तक...संगठन का लंबा सफरःमंत्री रामविचार नेताम

एमसीबी जिला प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने भावुक संबोधन में भाजपा के संगठनात्मक इतिहास का उल्लेख किया,उन्होंने कहा 90 के दशक में अटल जी के कार्यक्रमों से शुरू हुई यात्रा आज भव्य कार्यालय की नींव तक पहुंच चुकी है, यह 2 एकड़ भूमि हर कार्यकर्ता के समर्पण का परिणाम है, उन्होंने एक वरिष्ठ कार्यकर्ता को मंच पर बुलाकर सम्मानित भी करवाया।

एमसीबी के लिए नव निर्माण का दिनः प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह

प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह ने कहा कि पिछले कई दिनों से स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और जिलाध्यक्ष चंपा पावले कार्यक्रम की तैयारियों में जुटे थे,उन्होंने कहा भाजपा जहां भी कार्यालय की नींव रखती है, उसे समय पर पूर्ण कर कार्यकर्ताओं को समर्पित करती है, आज एमसीबी बीजेपी के लिए नव निर्माण का दिन है, उन्होंने भाजपा की 11 वर्ष की राष्ट्रीय संगठनात्मक प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा अब करोड़ों कार्यकर्ताओं का परिवार बन चुका है, उन्होंने मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में कार्यकर्ताओं की मेहनत की सराहना की।

वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान... अतिथियों का स्मृति-चिह्न से स्वागत

कार्यक्रम के अंत में भाजपा पदाधिकारियों द्वारा सभी अतिथियों का स्मृति-चिह्न देकर स्वागत किया गया तथा वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को साल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।

भारी भीड़, जबरदस्त उत्साह व संगठन का शक्ति प्रदर्शन

भव्य आयोजन में भाजपा जिला पदाधिकारियों, महापौर रामनरेश राय, आशीष सिंह, द्वारिका जायसवाल,राहुल सिंह,रीत जैन,धर्मेंद्र त्रिपाठी, गणेश ठाकुर आदि के साथ बूथ से शक्ति केंद्रों तक के हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे,पुलिस-प्रशासन की टीम भी पूरी व्यवस्था में तत्पर रही, भाजपा का यह नया जिला कार्यालय आने वाले समय में संगठन की मजबूती,संचालन,रणनीति और राजनीतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा।

-संवाददाता-
एमसीबी,27 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के नवीन जिला कार्यालय के भव्य भूमिपूजन कार्यक्रम ने आज ऐतिहासिक माहौल बना दिया, एफसीआई गोदाम के सामने चैनपुर,मनेंद्रगढ़ में आयोजित समारोह में प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह, संगठन मंत्री,प्रदेश कोषाध्यक्ष राम गर्ग,मंत्री रामविचार नेताम, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल,प्रदेश मंत्री अखिलेश सोनी,सांसद रेणुका सिंह,भरतपुर-सोनहत विधायक तथा जिलाध्यक्ष

श्रीमती चंपा देवी पावले सहित भारी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे, कार्यक्रम स्थल पर उमड़ी भीड़ और कार्यकर्ताओं का जोश देखते ही बनता था।

स्थानांतरण तो हो गया...लेकिन क्या नए पदस्थापना स्थल पर पहुँचेंगे भी ?

या फिर 'जुगाड़ तंत्र' उन्हें वहीं रोक लेगा जहाँ वे अभी मज़े में बैठे हैं ?

-शमरोज खान-
सूरजपुर,27 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।

22 नवंबर का यह आदेश साफ-साफ बताता है कि धान खरीदी 2025-26 के संचालन हेतु कई समितियों के सहायक समिति प्रबंधक का स्थानांतरण कर दिया गया है। नाम,पदस्थापना स्थल और नई जिम्मेदारी सब कुछ कागज़ में दर्ज हैज लेकिन सबसे बड़ा सवाल वही है,क्या यह स्थानांतरण सिर्फ कागज़ों में होगा? या अधिकारी व समिति प्रबंधक वाकई नई जगह रिपोर्ट करेंगे? जिले में पिछले वर्षों का रिकॉर्ड कहता है कि ऑर्डर निकल गया पर रिपोर्टिंग नहीं, पुराने पदस्थ अधिकारियों का स्थानीय गठजोड़,समिति में बने 'प्रबंधनङ्कव्यापारङ्कराजनीति' के तिहरे संबंध, और ऊपर तक पहुंची अनौपचारिक सिफारिशेंङ्कइन सब के कारण कई कर्मचारी आदेश के बावजूद वहीं जमे रहते हैं जहाँ उन्हें आर्थिक व स्थानीय लाभ मिले।

धान-खरीदी व्यवस्था में सबसे बड़ा सवाल यही... क्या स्थानांतरण का मतलब सिर्फ नया कागज़...या नई जिम्मेदारी ?

आदेश में स्पष्ट उल्लेख है कि सभी प्रबंधक को 24.11.2025 तक कार्यभार ग्रहण कर कार्यालय को सूचना भेजनी है,यानी समयसीमा भी है,लेकिन सूबे के कई जिलों का अनुभव कहता है कि जुगाड़ मजबूत हुआ तो आदेश कमजोर पड़ जाता हैज्और जुगाड़ कमजोर पड़ा तो आदेश मजबूत हो जाता है, अब देखना होगा कि कौन-कौन अधिकारी नई जगह जॉइन करते हैं, और कौन 'पुरानी जगह' पर ही अनौपचारिक संरक्षण लेकर टिके रहते हैं।

खड़गवां थाना क्षेत्र में चलाया जा रहा है यातायात सड़क सुरक्षा सप्ताह

-संवाददाता-
खड़गवां,27 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा चलाए जा रहे यातायात सड़क सुरक्षा सप्ताह अभियान के तहत श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज संभाग दीपक कुमार झा एवं श्रीमती पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह के द्वारा यातायात सड़क सुरक्षा सप्ताह अभियान चलाए जाने हेतु निर्देशित करने पर नगर पुलिस अधीक्षक चिरमिरी दीपिका मिंज के मार्ग दर्शन में थाना प्रभारी खड़गवां सुनील तिवारी के नेतृत्व में दिनांक 21/11/2025 से थाना खड़गवां क्षेत्र के साप्ताहिक बाजारों स्कूल कालेजों चौक चौराहों एवं ग्राम पंचायतों में आम जनो एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में यातायात सड़क सुरक्षा सप्ताह अभियान के तहत दो पहिया वाहन में तीन सवारी न चलने दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनकर वाहन चलाने लायसेंस इंश्योरेन्स रजिस्ट्रेशन वाहन नंबर एवं चार पहिया चालकों को सीट बेल्ट लगाने नशा के हालत में वाहन न चलाने एवं वाहनों का दस्तावेज लायसेंस पूर्ण रखने वा नाबालिको से वाहन ना चलाने देने स्टेट हाईवे मेनरोड चौक चौराहों में भीड़ लगाकर रास्ता जामकर जन्मदिन नहीं मनाने तथा शासन के द्वारा चलाये जा रहे राहवीर योजना के बारे में छात्र छात्राओं आमजनों को मित्रवत व्यवहार करते हुए शासन द्वारा चलाए जा रहे यातायात सड़क सुरक्षा सप्ताह अभियान की जानकारी और समझाइश लगातार दी जा रही है।

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH, WATER RESOURCES DEPARTMENT
OFFICE OF THE EXECITOVE ENGINEER
WATER RESOURCES DIVISION, SURAJPUR, DISTT. SURAJPUR (C.G.)
e-PROCUREMENT TENDER NOTICE
e-Procurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(2nd CALL)

System Tender No: 180223 NIT No.: 05/SAC/2025-26 Dated: 24.11.2025

Online Tenders are invited for the following works up to 11.12.2025, (17.30 hours IST)
Name Of Work : FLOOD PROTECTION SCHEME ON L/S AND RS BANK OF GOBRI RIVER AT VILLAGE JOOR.
Probable Amount Of Contract : Rs. 279.81 Lakhs

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh Integrated e-Procurement Portal (https://eproc.cgstate.gov.in) from Date 01.12.2025, at 17.31 Hours(IST) onwards.

Note:-1. All eligible intrested contractors/bidders are mandated to get enrolled on the Integrated e-procurement portal Cheres.costat.gov.in) and get approval on specific vendor class from PWD under Centralized Contractor Supplier Registration in order to download the tender documents and participate in the subsequent bidding process.
2. Probable Amount of Contract (PAC) is as per S.OR. 01.08.2010. (As Amendments 22.08.2022)

(Arun Kumar Mishra)
Executive Engineer
Water Roces Division, Surajpur (C.G.) For,
Chef Engineer, Hasdeo Ganga Basin
Ambikapur (C.G.)

R.O. -252605006/4

काला झंडा दिखाने की तैयारी से डरी सरकार!

एमसीबी में कांग्रेस पर रातभर शिकंजा,पूर्व विधायक गुलाब कमरों नजरबंद,सैकड़ों गिरफ्तार

-राजन पाण्डेय-

मनेंद्रगढ़,27 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। आदिवासी परिवार की काबिज जमीन पर भाजपा जिला कार्यालय निर्माण के खिलाफ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन ने आज जिले का राजनीतिक तापमान चरम पर पहुँचा दिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के प्रस्तावित भूमि पूजन कार्यक्रम से पहले ही सरकार पर घबराहट के आरोप तब तेज हो गए जब कांग्रेस के काला झंडा प्रदर्शन की सूचना मिलते ही प्रशासन ने जिलेभर में दमनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी। आधी रात से लेकर सुबह तक पुलिस ने कांग्रेस नेताओं के घरों पर दबिश दी, कई स्थानों पर गिरफ्तारियाँ कीं, और पूर्व विधायक गुलाब कमरों को उनके ही गाँव साल्ही में नजरबंद कर दिया।

दोहरे मानदंड का आरोप,कांग्रेस कार्यालय की फाइल चार महीने रोकी, बीजेपी कार्यालय के लिए प्रशासन 24 घंटे सक्रिय

कांग्रेस ने गंभीर आरोप लगाए कि मनेंद्रगढ़ तहसीलदार श्रुति धुर्वे ने कांग्रेस कार्यालय की भूमि आवंटन फाइल चार महीने दबाए रखी, फिर गलत गणना कर उसकी कीमत 50 लाख से अधिक दिखा दी ताकि जमीन न दी जाए,वहीं दूसरी ओर,आदिवासी परिवार की काबिज जमीन पर भाजपा कार्यालय निर्माण हेतु प्रशासन, रातों-रात सक्रिय हो गया, जेसीबी चलवाकर जमीन खाली करवाई,और आज उसी जमीन पर प्रदेश अध्यक्ष से भूमि पूजन करवा दिया, कांग्रेस ने इसे सरकारी मशीनरी का खुला दुरुपयोग और आदिवासी विरोधी मानसिकता बताया।

कांग्रेस पर दबिश...दमन की शुरुआत, सैकड़ों नेता कार्यकर्ता गिरफ्तार

एनएसयुआई, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस और जिला कांग्रेस शांतिपूर्ण काला झंडा प्रदर्शन की तैयारी में थे, लेकिन प्रशासन ने इसे रोकने के लिए रातभर छापेमारी और गिरफ्तारियाँ कीं।

पूर्व विधायक गुलाब कमरों नजरबंद

सुबह से ही गुलाब कमरों को उनके निवास साल्ही में पुलिस ने घर से निकलने नहीं दिया,उनके साथ रहे,अमर सिंह,अमोल सिंह,सुनील राय, रफीक मेमन, मोहम्मद अकरम,वकील चौधरी,विवेक चतुर्वेदी,आनंद राय सहित कई नेता।

जिला तनावग्रस्त...भारी पुलिस बल तैनात,बैरिकेडिंग,हाई अलर्ट

भाजपा के भूमि पूजन स्थल के आसपास भारी पुलिस बल तैनात है, कई मार्ग सील,बैरिकेडिंग,और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल लगाया गया है,कांग्रेस ने साफ कहा आदिवासी जमीन की लड़ाई अंतिम सांस तक लड़ी जाएगी।

कांग्रेस का हमला...आदिवासी भूमि पर कब्ज़ा करवाने का संरक्षण, आवाज उठाने वालों को जेल

जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा भाजपा आदिवासियों की जमीन पर कब्ज़ा करवाने वालों को संरक्षण दे रही है,और विरोध करने वालों को जेल भेज रही है,हम न दबेंगे,न झुकेंगे।

जिलेभर में गिरफ्तारियाँ...मनेंद्रगढ़ से चिरमिरी और खोंगापानी तक पुलिस अलर्ट

काला झंडा प्रदर्शन में पहुँचने से पहले ही कांग्रेस नेताओं को हिरासत में ले लिया गया। प्रमुख गिरफ्तारियाँ, जिला कांग्रेस प्रवक्ता सौरव मिश्रा, जिला अध्यक्ष क़ासिम अंसारी, सोशल मीडिया प्रभारी भावेश जैन, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजकुमार केसरवानी,युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष हाफिज मेमन,मनेंद्रगढ़,भरतपुर,सोनहत,चिरमिरी और खोंगापानी क्षेत्रों के कई युवा नेता,पार्षद,पदाधिकारी और सैकड़ों कार्यकर्ता,जिलेभर में पुलिस ने सैकड़ों कांग्रेसियों को हिरासत में लेकर कई थानों में बंद रखा।

पूर्व विधायक गुलाब कमरों का आरोपः आदिवासियों की जमीन पर कब्ज़ा...और विरोध करने वालों पर दमन

कमरों ने कहा आदिवासियों की काबिज जमीन तोड़कर भाजपा कार्यालय बनवाना घोर अन्याय है, विरोध करने पर हमें गिरफ्तार किया जा रहा है घरों पर पहरा लगा दिया गया है,पुलिस अपराधियों पर इतनी सक्रियता दिखाए तो जिले की तस्वीर बदल जाएगी।

पुण्यतिथि पर मानवसेवा की मिसाल

विजय सिंह ने छात्रों को कराया न्यौता भोज,स्वेटर बांटे

स्मृति से सेवा तक...सर्व आदिवासी समाज जिलाध्यक्ष विजय सिंह का विद्यालयों में बड़ा सामाजिक आयोजन

ठंड में बच्चों को गर्माहट,दिलों को छू गई पहल,जिला पंचायत अध्यक्ष व शिक्षा अधिकारी भी बने कार्यक्रम के साक्षी

-संवाददाता-

बैकुंठपुर/पटना,27 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। सर्व आदिवासी समाज कोरिया के जिलाध्यक्ष विजय सिंह द्वारा अपने बड़े भाई की पुण्यतिथि के अवसर पर विकासखंड बैकुंठपुर के विद्यालयों में न्यौता भोज एवं स्वेटर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ठंड को देखते हुए विद्यालय के छात्र-छात्राओं को स्वेटर प्रदान किए गए और सभी बच्चों को न्यौता भोज कराया गया, यह कार्यक्रम प्राथमिक शाला जयपुर एवं माध्यमिक शाला जयपुर में आयोजित हुआ, जहाँ विद्यालय परिवार एवं ग्रामीण समुदाय की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित राम पैकरा, सहायक संचालक शिक्षा जितेंद्र गुप्ता,बीआरसी निलेश शुक्ला, सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारी विश्वास भगत, सुरेश एक्का,चांदे जी,रविंद्र सिंह,शिक्षक जितेंद्र पैकरा, रंजीत लकड़ा, सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ एवं अभिभावक।

सामाजिक स्मृति और जनभागीदारी का सुंदर उदाहरणःजिला पंचायत अध्यक्ष

अपने संबोधन में जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित राम पैकरा ने कहा विजय सिंह ने अपने बड़े भाई की स्मृति में ग्रामीण बच्चों के बीच न्यौता भोज और स्वेटर वितरण का आयोजन कर एक सराहनीय कार्य किया है। सरकार भी न्यौता भोज को बढ़ावा दे रही है,ऐसे आयोजनों से विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों को अतिरिक्त सुविधाएँ मिलती हैं और जनभागीदारी मजबूत होती है,उन्होंने दिवंगत आत्मा के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सरकारी प्रयासों के साथ समाज की भागीदारी बच्चों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सहायक संचालक शिक्षा ने की बच्चों से संवाद,दिए पुरस्कार

सहायक संचालक शिक्षा जितेंद्र गुप्ता ने कहा कि महत्वपूर्ण यादों और पलों को हम जनसेवा से जोड़ें, यही सरकार की भी भावना है। जनभागीदारी जितनी मजबूत होगी,विद्यालय उतने सुदृढ़ होंगे,उन्होंने छात्रों से प्रश्न पूछे,उनकी प्रतिभा की सराहना की और कई बच्चों को पुरस्कृत भी किया।

आयोजक विजय सिंह ने दी जानकारी हर वर्ष करते हैं सामाजिक सत्कार

विजय सिंह ने बताया मेरे बड़े भाई की स्मृति में हर वर्ष हमारा परिवार सामाजिक सत्कार कार्यक्रम आयोजित करता है। इस बार यह कार्यक्रम विद्यालय में आयोजित किया गया। सहायक संचालक सर (जितेंद्र गुप्ता) से प्रेरणा मिलने पर बच्चों के बीच यह आयोजन करने का निर्णय लिया।

बैकुंठपुर के लाड़ले विधायक भैयालाल राजवाड़े अस्वस्थ

स्वास्थ्य जानने उमड़ी जनसैलाब,जनता में गहरी चिंता

बैकुंठपुर विधायक की तबीयत बिगड़ी,स्वास्थ्य मंत्री के बाद अब महिला व बाल विकास मंत्री लक्ष्मी भी पहुँचीं अस्पताल

ITSA हॉस्पिटल रायपुर में लिया स्वास्थ्य का जायजा,चिकित्सकों से उपचार की प्रगति पर विस्तार से चर्चा

माँ कुदरगढ़ी से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थनाःमंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

-संवाददाता-

रायपुर/कोरिया,27 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के लाड़ले और सरल स्वभाव वाले विधायक भैयालाल राजवाड़े इन दिनों स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत ठीक नहीं रहने के कारण उन्हें चिकित्सा देखरेख में रखा गया है, उनकी खराब सेहत की खबर फैलते ही जनता, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में उनसे मिलने पहुँच रहे हैं और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

बैकुंठपुर के लोकप्रिय विधायक एवं प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री भैयालाल राजवाड़े की तबीयत बिगड़ने के बाद राज्य सरकार के मंत्रियों का हॉस्पिटल पहुंचना लगातार जारी है, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल के बाद अब महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े भी मंगलवार को रायपुर स्थित ITSA हॉस्पिटल पहुँचीं और विधायक के स्वास्थ्य की जानकारी ली,मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अस्पताल पहुँचकर परिवारजनों से मुलाकात की और चिकित्सकों के साथ उपचार की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएँ समय पर उपलब्ध रहें, उपचार में किसी प्रकार की बाधा न आए,विशेषज्ञ टीम लगातार मॉनिटरिंग करती रहे है।

परिवार और समर्थकों ने की अपील...

परिवार और समर्थकों ने लोगों से अपील की है कि राजवाड़े जी को आराम और इलाज की आवश्यकता है, इसलिए अनावश्यक भीड़ न लगाएँ, लेकिन दुआओं और शुभकामनाओं की गर्माहट उन्हें निरंतर मिलती रहे।

जनता की एक ही दुआ विधायक जी जल्द स्वस्थ हों...

भैयालाल राजवाड़े की स्वास्थ्य स्थिति पर पूरा जिला नजर बनाए हुए है,हर कोई यही चाहता है कि वे जल्द स्वस्थ होकर फिर से जनता के बीच उसी ऊर्जा के साथ लौटें,जैसे वे हमेशा सेवा के लिए तत्पर रहते आए हैं।

विधायक जी हमारी प्रेरणा–पूरे क्षेत्र की चिंता हैः मंत्री राजवाड़े

मंत्री ने कहा भैयालाल जी प्रदेश के वरिष्ठ नेता हैं, उनकी तबीयत को लेकर पूरा सरगुजा चिंतित है। जगत जननी माँ कुदरगढ़ी से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की हृदय से कामना करती हूँ, उनके हॉस्पिटल पहुँचने से भाजपा-विपक्ष सहित पूरे क्षेत्र में राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर सकारात्मक संदेश गया है।

जो हमेशा जनता के सुख-दुःख में खड़े रहे, आज जनता उनके लिए चिंतित है

भैयालाल राजवाड़े को एक जमीनी नेता,सहज,सरल और हर घर से जुड़े हुए विधायक के रूप में जाना जाता है, सालों से वे किसी के घर बीमारी की खबर मिलते ही स्वयं पहुँच जाते थे, लोगों के स्वास्थ्य, उपचार और जरूरतों का ध्यान रखते थे, और जनता के सुख-दुःख में सबसे पहले शामिल होते थे, आज उन्हीं राजवाड़े जी के अस्वस्थ होने से पूरी बैकुंठपुर जनता चिंतित है, लोग लगातार फोन कर रहे हैं, हॉस्पिटल पहुँच रहे हैं और सोशल मीडिया पर उनके स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थनाएँ कर रहे हैं।

लोगों की भावनाएँ...जल्दी ठीक होइये राजवाड़े जी...जिला आपको चाहता है...

अस्पताल में और बाहर दोनों जगह लोगों ने अपनी भावनाएँ व्यक्त की उन्होंने कभी अपने स्वास्थ्य की परवाह नहीं की,हमेशा जनता के बीच खड़े रहे, आज हमारा कर्तव्य है कि हम उनके लिए दुआ करें, पूरा बैकुण्ठपुर उनके जल्दी ठीक होने की प्रार्थना कर रहा है।

CMYK

52 साल की तलाकशुदा मलाइका अरोड़ा को फिर हुई मोहब्बत

कौन है मुन्नी का 17 साल छोटा ब्वॉयफ्रेंड?

अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद मलाइका अरोड़ा एक बार फिर अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। उन्हें पहले एक कॉन्सर्ट में और फिर मुंबई एयरपोर्ट पर एक मिस्ट्री मैन के साथ देखा गया। इस व्यक्ति की पहचान को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं,कुछ रिपोर्ट्स उसे हीरा व्यापारी हर्ष मेहता बताती हैं,जबकि अन्य उसे मलाइका का मैनेजर बता रहे हैं।

ज्यादातर लोगों के लिए किसी कॉन्सर्ट में जाना या फ़्लाइट पकड़ना आम बात होती है। लेकिन अगर आप कोई बड़ी स्टार या फिर बीटाउन की हॉटेस्ट लेडी में शुमार मलाइका अरोड़ा हों तो आपका ऐसे इधर-उधर घूमना चर्चा का विषय बन सकता है। अर्जुन कपूर के साथ रिश्ता टूटने के बाद मलाइका अरोड़ा सबकी नजरों में चढ़ी हुई हैं। एक्ट्रेस किसे डेट कर रही हैं किसके साथ घूमती फिरती हैं फैंस को सब जानना है।

कब से उड़ रही इस तरह की खबरें

इस बार भी मलाइका अरोड़ा किसी फैशन मोमेंट या इवेंट के लिए नहीं बल्कि अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। ये बात तब शुरू हुई थी जब 29 अक्टूबर को मलाइका मुंबई में एनरिक इग्लेसियस के कॉन्सर्ट में शामिल हुई थीं। इस दौरान उनके साथ एक मिस्ट्री मैन दिखाई दिया था और हर कोई ये जानने को इच्छुक था कि वो कौन है जिसे मल्का डेट कर रही हैं। दोनों को शो के दौरान बातें करते और बाद में एक-एक करके वहां से निकलते हुए देखा गया, जिससे ऑनलाइन डेटिंग की अफवाहें तुरंत शुरू हो गईं।

मास्क से छुपा रखा था चेहरा

दूसरी बार सामने आने के बाद मामला और भी तूल पकड़ गया। 26 नवंबर की दोपहर, मलाइका अरोड़ा फिर उसी व्यक्ति के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं। दोनों साथ-साथ चलने से बच रहे थे,लेकिन फिर भी पपराजी के कैमरों ने यह दोनों कैद हो गए। मलाइका पहले बाहर निकलीं और वह आदमी उनके पीछे-पीछे। उसने अपना चेहरा मास्क से थोड़ा छिपा रखा था, जिससे लोगों की उत्सुकता और बढ़ गई। इसके बाद दोनों एक ही कार से वहां से बाहर निकले।

कौन हैं हर्ष मेहता?

एक तरफ जहां मिस्ट्री मैन के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं है वहीं मीडिया पोर्टल अलग-अलग स्टेटमेंट दे रहे हैं। डीएनए इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार,यह व्यक्ति 33 वर्षीय हीरा व्यापारी हर्ष मेहता है। इस बीच,एक रिपोर्ट के अनुसार, ऑनलाइन प्रशंसकों का मानना है कि वह कोई बिजनेसमैन नहीं, बल्कि मलाइका का मैनेजर है। कोई आधिकारिक बयान न होने के कारण, फैंस के बीच उत्सुकता बनी हुई है। फिलहाल, न तो मलाइका अरोड़ा और न ही उस मिस्ट्री मैन ने डेटिंग की इन अफवाहों पर कोई प्रतिक्रिया दी है।

लव एंड वॉर में रणबीर कपूर पर भारी पड़ गए विक्की कौशल

भंसाली की फिल्म से लीक हुई दोनों की फोटो?

संजय लीला भंसाली इन दिनों अपनी आगामी फिल्म लव एंड वॉर की तैयारियों में जुटे हुए हैं। फिल्म के सेट से अब विक्की कौशल और रणबीर कपूर की फोटो लीक हुई है जिसके बाद फैंस एक्साइटेड हो गए हैं। संजय लीला भंसाली हिंदी सिनेमा के दिग्गज निर्माता-निर्देशकों में से एक हैं जो किसी भी कहानी को ग्रैंड लेवल पर बारीकियों के साथ दिखाने के लिए जाने जाते हैं। वेब सीरीज हीरामंडी के बाद से ही भंसाली अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट में जी जान लगा रहे हैं। संजय लीला भंसाली इन दिनों अपनी आगामी फिल्म लव एंड वॉर की तैयारियों में जुटे हैं। इस फिल्म में रणबीर कपूर , विक्की कौशल और आलिया भट्ट मुख्य भूमिकाओं में हैं।

लव एंड वॉर से लीक विक्की-रणबीर का लुक

फिल्म भले ही अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी, लेकिन अभी से फैंस के बीच इसको लेकर बज बना हुआ है। लव एंड वॉर से अभी तक कई फोटोज सामने आ गई हैं,लेकिन अब विक्की और रणबीर की साथ में फोटो लीक हुई है जिसके बाद सोशल मीडिया पर हलचल पैदा हो गई है।

विक्की के लुक की हो रही है तारीफ

इस तस्वीर में विक्की कौशल और रणबीर कपूर पायलट के कॉस्ट्यूम में दिख रहे हैं। तस्वीर में दोनों ही एक्टर्स इस लुक में दमदार लग रहे हैं। कमेंट बॉक्स में फैंस रणबीर से ज्यादा विक्की के लुक को पसंद कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा,विक्की क्रूर है और मिलिट्री यूनिफॉर्म उस पर सूट करती है, उनके बगल में खड़े बूढ़े आदमी के एकदम उलट। कुछ ने कहा कि वह बहुत हैंडसम लग रहे हैं। हालांकि,फैंस रणबीर के लुक की भी सराहना कर रहे हैं।

क्या है फिल्म की कहानी?

संजय लीला भंसाली निर्देशित लव एंड वॉर की कहानी लव ट्रायंगल के इर्द-गिर्द घूमेगी। इंडियन एयर फोर्स के दो पायलट (रणबीर और विक्की) को एक ही महिला से प्यार हो जाता है। फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह 14 अगस्त 2026 को बड़े पर्दे पर उतरेगी।

बिना कपड़ों के सड़क पर दौड़ पड़ी थी 80 के दशक की ये एक्ट्रेस

रहस्यमयी तरीके से हुई थी मौत

शोहरत सिनेमा की वह डगर है, जिसपर हर फिल्म कलाकार चलना चाहता है। कई बार शोहरत पाकर फिल्मी सितारे चकाचौंध में खो जाते हैं, तो कुछ संतुलन बनाने के बाद भी पिछड़ जाते हैं। इसी आधार पर आज हम आपको हिंदी सिनेमा के एक ऐसी लेडी सुपरस्टार के बारे में बताने जा रहे हैं, जो हर किसी के दिल पर राज करती थीं। 80 के दशक की उस एक्ट्रेस से जुड़ा आज एक रोचक किस्सा हम आपको बताने जा रहे हैं, जब वह हसीना बिना कपड़ों के अपने ब्वॉयफ्रेंड के पीछे सड़क पर दौड़ पड़ी थी।

इस एक्ट्रेस से जुड़ा ये किस्सा

जिस अभिनेत्री के बारे में इस लेख में जिक्र किया जा रहा है, उनकी निजी जिंदगी किसी फिल्म स्टोरी से कम नहीं रही थी। जितनी जल्दी उनको फिल्म इंडस्ट्री में स्टारडम मिला, ठीक उतनी ही तेजी से उनका डाउन फॉल हुआ। वह एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि परवीन बाबी थीं। जी हां परवीन को 80ह्व की लेडी सुपरस्टार के तौर पर जाना जाता था। उनका नाम फिल्ममेकर महेश भट्ट के साथ भी जुड़ा रहा था। एक मीडिया इंटरव्यू में महेश ने अपने और परवीन के रिश्ते की पुष्टि की थी। इसी दौरान उन्होंने अभिनेत्री को लेकर एक शॉकिंग किस्सा साझा किया था,जिसमें उन्होंने कहा था...एक बार मैं परवीन को मोटिवेट कर रहा था और उनसे बातें कर रहा था। क्योंकि उसको किसी बात का डर था कि कोई उसे मारने वाला है। वह ये कहती थी कि कोई उसका पीछा कर रहा है। इस डर को खत्म करने के लिए मैं उसे समझा रहा था,लेकिन तभी वह मेरी बात पर गौर करने की बजाय बाथरूम में चली गई,जिसे देखकर मैं गुस्से में घर से बाहर आ गया। तभी वह मेरी पीछे सड़क पर दौड़ती हुई आई, लेकिन उसने कपड़े नहीं पहने हुए थे। ये देखकर मैं उसको तुरंत ही घर के अंदर ले गया।

इस तरह से महेश भट्ट ने परवीन बॉबी से जुड़ा एक हैरान करने वाला किस्सा सुनाया। बता दें कि महेश परवीन के प्यार में इतने खो गए थे कि वह अपना घर छोड़कर उनके साथ लिव इन में रहने लग गए थे।

रहस्यमयी तरीके से हुई थी मौत

परवीन बॉबी का निधन आज भी सिनेमा जगत के लिए एक रहस्य बना हुआ है। बताया जाता है कि मल्टीपल ऑर्गन फेलियर और हाई डायबिटीज की वजह से हुआ था। उनका शव कई दिनों घर में पड़ा रहा था और बदबू आने के बाद उसकी पड़ताल हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक परवीन को पैरानॉयड सिजोफ्रेनिया नामक मानसिक बीमारी भी थी, जिसकी वजह से दिमागी तौर पर वह काफी परेशान रहती थीं।

गजब थी इस फिल्म की कहानी

9 बार बने रीमेक, 8 बार मोटी कमाई कर खूब छापे नोट

बॉलीवुड में हिट फिल्मों के रीमेक बनाना आम बात है। किसी फिल्म की कहानी चल निकले तो उसे अलग-अलग भाषाओं में दोबारा बनाया जाता है, और कई बार तो दूसरे देशों में भी नए वर्जन तैयार हो जाते हैं। आज हम आपको एक ऐसी सुपरहिट फिल्म के बारे में बता रहे हैं, जिसके केवल एक-दो नहीं बल्कि पूरे नौ रीमेक बने। खास बात यह है कि इन नौ में से आठ ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की। यह फिल्म भारतीय सिनेमा की क्लासिक फिल्मों में शुमार मानी जाती है। दिलचस्प बात यह है कि यह कोई बॉलीवुड फिल्म नहीं, बल्कि साउथ इंडस्ट्री की देन है। सफलता के बाद यह कई भाषाओं में दोहराई गई।

इस फिल्म में नजर आए थे कई शानदार एक्टर्स

2005 में रिलीज हुई तेलुगु फिल्म नुव्वोस्तानान्ते नेनोददंताना वह फिल्म है, जिसके भारत में सबसे ज्यादा रीमेक बनाए गए। प्रभु देवा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सिद्धार्थ, तृषा कृष्णन और श्रीहरी ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। तृषा और सिद्धार्थ की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया। प्रकाश राज भी कहानी में अहम किरदार में दिखाई दिए। प्रभु देवा ने निर्देशन के साथ-साथ इसमें एक छोटा कैमियो भी किया था। हालांकि इस फिल्म को नई कहानी कहा गया, लेकिन माना जाता है कि इसका मूल विचार सलमान खान और भाग्यश्री की ब्लॉकबस्टर मैंने प्यार किया से लिया गया था। रिलीज के बाद यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई। लगभग चार करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने करीब 18 करोड़ रुपये कमा लिए।

शाहरुख खान से मिलने निकला धनक का अंधा छोटू

9 साल पहले फिल्म ने जीता नेशनल अवॉर्ड

साल 2016 में रिलीज हुई फिल्म धनक तो आपको याद ही होगी। राजस्थान के रेगिस्तान में सेट की गई इस कहानी में दो बच्चे ही लीड एक्टर्स थे। फिल्म को राष्ट्रीय पुरस्कार से बी नवाजा गया। फिल्म की कहानी भावुक करने वाली थी। फिल्म का मुख्य पात्र छोटू अंधा था, जिसकी आंखों की रोशनी वापस लाने के लिए उसकी बहन हर मुमकिन कोशिश कर रही थी। छोटू के काम को लोगों ने काफी पसंद किया और इस किरदार को कृष छाबड़िया ने निभाया था।

खेल-समाचार

वर्ल्ड चैंपियन भारतीय प्लेयर्स की कीमत 22.15 करोड़

डब्ल्यूपीएल ऑक्शन में मंधाना का रिकॉर्ड नहीं टूटा

दीप्ति ₹3.20 करोड़ में बिकीं, ओपनर प्रतिका अनसोल्ड

नई दिल्ली,27 नवम्बर 2025।

वर्ल्ड चैंपियन भारत के स्क्वॉड का हिस्सा रहीं 16 में से 14 प्लेयर्स विमेंस प्रीमियर लीग का अगला सीजन खेलते नजर आएंगी। 6 खिलाड़ियों को टीमों ने रिटेन किया था, 12 प्लेयर्स आज ऑक्शन में बिक गईं। इनकी कीमत 22.15 करोड़ रुपए रहीं। वहीं 2 को खरीदार नहीं मिले। डब्ल्यूपीएल ऑक्शन गुरुवार को नई दिल्ली में हुआ। दीप्ति शर्मा 3.20 करोड़ और श्री चरणी 1.30 करोड़ रुपए में बिकीं। डब्ल्यूपीएल इतिहास की सबसे महंगी प्लेयर स्मृति मंधाना से ज्यादा बोली अब भी किसी प्लेयर पर नहीं लगी। वे 3.40 करोड़ रुपए में पहले सीजन के समय बिकी थीं, वहीं इस बार 3.50 करोड़ रुपए में रिटेन हुईं।

वर्ल्ड चैंपियन प्लेयर्स की कीमत और उनकी परफॉर्मेंस...

1. दीप्ति शर्मा
यूपी ने 3.20 करोड़ में खरीदा

वनडे वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट दीप्ति शर्मा को यूपी वॉरियर्ज ने फिर अपनी टीम में शामिल कर लिया। दीप्ति 3.20 करोड़ रुपए में यूपी का हिस्सा बनीं। दीप्ति ने ICC टूर्नामेंट के 9 मैचों में 22 विकेट लेने के साथ 215 रन भी बनाए थे। वे टूर्नामेंट की टॉप विकेट टेकर रहीं और ऑलराउंड प्रदर्शन के कारण प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बनीं।

2. रेणुका सिंह
गुजरात ने 60 लाख में खरीदा

वर्ल्ड कप में भारत के लिए बॉलिंग की शुरुआत करने वालीं रेणुका सिंह को गुजरात जायंट्स ने खरीदा। वे पिछले सीजन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का हिस्सा थीं, लेकिन मेगा ऑक्शन में उन्हें गुजरात ने 60 लाख रुपए में खरीद लिया।आईसीसी टूर्नामेंट के 6 मैचों में रेणुका 3 विकेट ही निकाल सकी थीं, लेकिन टी-20 में वे अपनी स्विंग से बैटर्स को खराब शॉट खेलने के लिए मजबूत कर देती हैं।

3. क्रांति गौड़
यूपी ने 50 लाख में खरीदा

रेणुका सिंह के साथ गेंदबाजी की शुरुआत करने वालीं तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ 50 लाख रुपए में बिक गईं। उन्हें यूपी वॉरियर्ज ने फिर अपना हिस्सा बनाया। आईसीसी टूर्नामेंट के 8 मुकाबलों में उन्होंने 5.73 की इकोनॉमी से रन खर्च कर 9 विकेट लिए थे। वे डब्ल्यूपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन करने के बाद ही टीम इंडिया में जगह बना सकी थीं।

4. राधा यादव
बेंगलुरु ने 65 लाख में खरीदा

लेफ्ट आर्म स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर राधा यादव को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 65 लाख रुपए में खरीदा। वे पिछले 3 सीजन दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा रही थीं। आईसीसी टूर्नामेंट के 3 मुकाबलों में राधा ने 4 विकेट लिए। उन्होंने आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में 3 विकेट लेकर भारत को जीत दिलाई थी। राधा विमेंस क्रिकेट की टॉप फील्डर भी हैं।

5. श्री चरणी
दिल्ली ने 1.30 करोड़ में खरीदा

वर्ल्ड कप में भारत की सेकेंड टॉप विकेट टेकर लेफ्ट आर्म स्पिनर श्री चरणी को 1.30 करोड़ रुपए में फिर से दिल्ली कैपिटल्स ने खरीद लिया। आईसीसी टूर्नामेंट में चरणी ने अपनी स्पिन से विदेशी बैटर्स को बहुत परेशान किया था। उनके नाम 9 मुकाबलों में 14 विकेट रहे। इनमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में 3 विकेट लेने का कारनामा शामिल रहा।

6. अरुंधति रेड्डी
आरसीबी ने 75 लाख में खरीदा

वर्ल्ड कप विनर अरुंधति रेड्डी को 75 लाख रुपए में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने खरीद लिया। रेड्डी को आईसीसी टूर्नामेंट में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन उन्होंने सब्स्टिट्यूट फील्डर बनकर कुछ अहम कैच जरूर पकड़े। अरुंधति मीडियम पेस बॉलिंग करने के साथ लोअर ऑर्डर में जरूरत पड़ने पर बैटिंग भी कर लेती हैं।

7. प्रतिका रावल
किसी ने नहीं खरीदा

वर्ल्ड कप में स्मृति मंधाना के साथ भारत को मजबूत शुरुआत दिलाने वालीं प्रतिका रावल अनसोल्ड रहीं। उनका नाम 12वें सेट की बैटर्स में था, एक्सलरेटेड राउंड में उनका नाम आया, लेकिन उन्हें किसी ने नहीं खरीदा। वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज तक उन्होंने 7 मैच खेले और 51 से ज्यादा की औसत से 308 रन बनाए। हालांकि, वे अब तक डब्ल्यूपीएल में डेब्यू नहीं कर पाईं,उन्हें चौथे सीजन में भी मौका नहीं मिलेगा।

8. हरलीन देओल
यूपी ने 50 लाख रुपए में खरीदा

मिडिल ऑर्डर बैटर हरलीन देओल 50 लाख रुपए में यूपी वॉरियर्ज का हिस्सा बनीं। वर्ल्ड कप के 7 मैचों में उन्होंने 33.80 की औसत से 169 रन बनाए थे। हालांकि, खराब स्ट्राइक रेट के कारण वे नॉकआउट मुकाबलों से बाहर हो गईं। वे डब्ल्यूपीएल में गुजरात से खेल चुकी हैं, लेकिन अब यूपी से खेलते नजर आएंगी।

9. स्नेह राणा
दिल्ली ने 50 लाख में खरीदा

ऑफ स्पिन ऑलराउंडर स्नेह राणा को 50 लाख रुपए में दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा। वर्ल्ड कप के 6 मैचों में स्नेह ने 99 रन बनाने के साथ 7 विकेट भी लिए। ग्रुप स्टेज में उनकी बॉलिंग ने ही भारत को टूर्नामेंट में बनाए रखा, लेकिन आखिरी मुकाबलों में राधा यादव ने उन्हें रिप्लेस कर दिया। स्नेह RCB और गुजरात से WPL खेल चुकी हैं, अब वे तीसरी टीम से खेलते नजर आएंगी।

10. उमा छेत्री नहीं मिला खरीदार

विकेटकीपर बैटर उमा छेत्री को डब्ल्यूपीएल ऑक्शन में कोई खरीदार नहीं मिला। उनकी बेस प्राइस 50 लाख रुपए थी, लेकिन किसी भी टीम ने उन्हें खरीदने में इंटरेस्ट नहीं दिखाया। वर्ल्ड कप में वे एक ही मैच खेल सकीं, लेकिन उनकी बैटिंग नहीं आई। वे भारत के लिए 7 टी-20 में 37 रन बना चुकी हैं। डब्ल्यूपीएल में यूपी से खेलते हुए उनके नाम 80 रन हैं।

11. स्मृति मंधाना
3.50 करोड़ में रिटेन

भारत की उप कप्तान और आईसीसी टूर्नामेंट में भारत की टॉप रन स्कोरर स्मृति मंधाना ऑक्शन में उतरी ही नहीं। उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 3.50 करोड़ रुपए में रिटेन कर लिया था। वे पहले ऑक्शन में 3.40 करोड़ रुपए में बिकी थीं। उनसे ज्यादा बोली अब भी किसी प्लेयर पर नहीं लगी। वर्ल्ड कप के 9 मैचों में मंधाना ने 434 रन बनाए थे।

12. हरमनप्रीत कौर
2.50 करोड़ में रिटेन

भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर को मुंबई इंडियंस ने रिटेन कर लिया था। वे 2.50 करोड़ रुपए में 2 बार की चैंपियन MI का हिस्सा रहीं। हरमन की कप्तानी में ही भारत ने आईसीसी टूर्नामेंट जीता। हरमन ने टूर्नामेंट के 9 मैचों में 32.50 की औसत से 260 रन बनाए थे। इनमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 रन की अहम पारी भी शामिल रही।

13. जेमिमा रोड्रिग्ज
2.20 करोड़ में रिटेन

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में शतक लगाकर भारत को जिताने वालीं जेमिमा रोड्रिग्ज को दिल्ली कैपिटल्स ने रिटेन कर लिया। उनकी कीमत 2.20 करोड़ रुपए है। उन्होंने शुरुआती तीनों सीजन भी दिल्ली से ही खेले थे।आईसीसी टूर्नामेंट के 8 मैचों में उनके नाम 292 रन रहे, इनमें एक शतक और एक फिफ्टी शामिल रही।

14. शेफाली वर्मा
2.20 करोड़ में रिटेन

वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में इंजर्ड प्रतिका रावल की जगह टीम का हिस्सा रहीं शेफाली वर्मा को भी दिल्ली कैपिटल्स ने 2.20 करोड़ रुपए में रिटेन किया। शेफाली पहले आईसीसी टूर्नामेंट के स्क्वॉड का हिस्सा नहीं थीं। प्रतिका की इंजरी ने उन्हें टूर्नामेंट खेलने का मौका दिया। शेफाली सेमीफाइनल में तो कुछ खास नहीं कर सकीं, लेकिन फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 87 रन बना दिए। इतना ही नहीं, उन्होंने गेंदबाजी से 2 विकेट भी लिए। वे लगातार चौथे सीजन दिल्ली से खेलेंगी।

15. ऋचा घोष
2.75 करोड़ में रिटेन

विकेटकीपर बैटर ऋचा घोष को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 2.75 करोड़ रुपए में रिटेन किया। वर्ल्ड कप के 8 मैचों में उन्होंने 133.52 के स्ट्राइक रेट से 235 रन बनाए थे। इनमें साउथ अफ्रीका के खिलाफ ग्रुप स्टेज में 94 रन की अहम पारी भी शामिल रही। ऋचा ने टूर्नामेंट में 23 चौके और 12 छक्के लगाए थे।

16. अमनजोत कौर
1 करोड़ में रिटेन

ऑलराउंडर अमनजोत कौर को मुंबई इंडियंस ने 1 करोड़ रुपए में रिटेन किया। अमनजोत ने ही वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विनिंग बाउंड्री लगाई थी। टूर्नामेंट के 7 मैचों में उनके नाम 146 रन बनाने के साथ 6 विकेट भी रहे। वे फिनिशर पोजिशन पर बैटिंग करने के साथ नई गेंद से बॉलिंग भी कर लेती हैं।

मेंस प्लेयर्स से अब भी बहुत पीछे

डब्ल्यूपीएल में बिकने वाली भारतीय प्लेयर्स की कीमत वैसे तो 22.15 करोड़ रुपए रहीं, लेकिन मेंस प्लेयर्स के मुकाबले उनकी वैल्यू अब भी बहुत कम है। आईसीसी के सबसे महंगे भारतीय ऋषभ पंत अकेले की कीमत इनसे ज्यादा है। वे पिछले ऑक्शन में 27 करोड़ रुपए में बिके थे। यानी वर्ल्ड चैंपियन 14 प्लेयर्स मिलाकर जितना नहीं कमा रहीं, अकेले पंत उनसे 4.85 करोड़ रुपए ज्यादा कमा ले रहे हैं।डब्ल्यूपीएल में 5 टीमें खेलती हैं और एक टीम के पास 15 करोड़ रुपए का पर्स ही रहता है। 5 टीमों के पास कुल 75 करोड़ रुपए का पर्स। दूसरी ओर डब्ल्यूपीएल में एक टीम का पर्स ही 120 करोड़ रुपए रहता है। यानी टीमें चाहकर भी महिला प्लेयर्स को मेंस के बराबर सैलरी नहीं दे सकतीं।

9 जनवरी से शुरू होगा चौथा सीजन

डब्ल्यूपीएल का चौथा सीजन 9 जनवरी से 5 फरवरी तक खेला जाएगा। नवी मुंबई और वडोदरा के 2 वेन्यू पर ही पूरा टूर्नामेंट खेला जाएगा।

भुइयां पोर्टल हैक कर जमीन के रिकॉर्ड से छेड़छाड़ करने वाला गिरोह पकड़ाया

दुर्ग,27 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ शासन के भुइयां पोर्टल को हैक कर जमीन के रिकॉर्ड में गड़बड़ी और फर्जी दस्तावेज के आधार पर बैंक लोन निकालने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस हेराफेरी से जुड़े गिरोह के 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक नाबालिग भी शामिल है।

मास्टरमाइंड ने पटवारी के सहयोगी को दिया झांसा

एएसपी अभिषेक झा ने बताया कि इस पूरे मामले का मास्टरमाइंड संजय वर्मा है। उसने पटवारी के नाबालिग सहयोगी,जो कि ऑपरेटर का काम करता है,उसे झांसा देकर आईडी पासवर्ड और ओटीपी लेकर दिया। इसके बाद संजय ने इसे कोमल साहू के साथ शेयर किया। फिर अन्य आरोपियों ने भुइयां ऐप में छेड़छाड़ कर ठगी को अंजाम दिया है। मामला नंदनी थाना क्षेत्र का है और जांच जारी है।

किस तरह किया घोटाला..?

13 अगस्त 2025 को तहसीलदार राधेश्याम वर्मा,तहसील अहिवारा ने थाना नंदनी नगर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि पटवारी हल्का नंबर 16 के ग्राम अछोटी और मुरमुन्दा के भुइयां सॉफ्टवेयर में अज्ञात लोगों ने हैकिंग कर छेड़छाड़ की है।

फर्जीवाड़ा कर लोन हासिल किया...

आरोपियों ने फर्जी तरीके से रिकॉर्ड बदलकर एसबीआई नंदनी नगर शाखा से लाखों रुपए का लोन हासिल कर लिया। जांच में पता चला कि मुख्य आरोपी दीनुराम यादव ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर 36 लाख रुपए का फर्जी लोन लिया था और रकम को तुरंत कई खातों में ट्रांसफ़र कर दिया। इसमें से 20,26,547 रुपए नंदकिशोर साहू के खाते में पहुंचे।

नये विधानसभा भवन में पहला सत्र

शीतकालीन सत्र के लिए विधायकों ने लगाए 628 सवाल...

रायपुर,27 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन में होने वाले पहले शीतकालीन सत्र का काउंटडाउन शुरू हो गया है। सत्र के लिए 18 नवंबर को नोटिफिकेशन जारी किया गया था, जिसके बाद विधायकों ने कुल 628 सवाल लगाए हैं। इनमें 333 स्टार और 295 सामान्य प्रश्न शामिल हैं, जो इस बार के सत्र में होने वाली संभावित बहस का संकेत दे रहे हैं। विंटर सेशन के प्रथम दिन साइंस एंड टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट अपने दस्तावेज प्रस्तुत करेगा और उन पर चर्चा होगी। विभाग की योजनाओं, तकनीकी विकास और नई पहलों से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत बातचीत होने की संभावना है। सत्र के दौरान कई जरूरी मुद्दों पर चर्चा हो सकती है, जिसमें हाल के बड़े नेताओं के घोटाले,धान खरीद से जुड़े सवाल, बिजली के रेट में बदलाव समेत कई अन्य मुद्दे शामिल हैं। इन मुद्दे पर पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिल सकती है।

शराब घोटाला : 6500 पन्नों की चार्जशीट में 6 लोगों की भूमिका उजागर की ईओडब्ल्यू ने

सिंडीकेट बनाकर 1000 करोड़ से भी अधिक का किया घोटाला

रायपुर,27 नवम्बर 2025। 3200 करोड़ रुपये के शराब घोटाले में ईओडब्ल्यू ने एक और चार्जशीट दाखिल की। एसीबी ईओडब्ल्यू स्पेशल कोर्ट में कारोबारी नीतेश पुरोहित, यश पुरोहित, अतुल सिंह सहित कुल 6 आरोपियों के खिलाफ चालान पेश किया गया। इनके खिलाफ 6500 पन्नों की विस्तृत चार्जशीट दाखिल की गई, जिसमें सभी आरोपियों की भूमिका, वित्तीय लेनदेन और कथित अनियमितताओं का विवरण शामिल है। इनमें से यश पुरोहित और नीतेश पुरोहित पिता पुत्र हैं और जेल रोड स्थित एक होटल के संचालक है। इस पूरे घोटाले में दोनों, अनवर ढेबर के सहयोगी के रूप में हिस्सेदारी निभाते रहे हैं।

अब तक 50 के खिलाफ चालान पेश

इस प्रकरण में अब तक कुल 50 आरोपियों के विरुद्ध चालान न्यायालय में पेश किया जा चुका है। प्रकरण की जांच जारी है। जांच के दौरान यह तथ्य प्रमाणित हुआ है कि निरंजन दास ने अपनी लगभग तीन वर्ष की आबकारी विभाग में पदस्थापना अवधि के दौरान आबकारी नीति एवं अधिनियम में गैर-जरूरी तथा विशेष व्यक्तियों को लाभ पहुँचाने वाले बदलाव, विभागीय टेण्डरों की शर्तों में हेरफेर तथा व्यवस्थापन में जानबूझकर गड़बड़ी जैसे कार्य इस उद्देश्य से किए कि उस समय आबकारी विभाग में सक्रिय सिंडिकेट, जिसे अनिल टुटेजा तथा अनवर ढेबर का संरक्षण प्राप्त था, को कमीशन उगाही में सीधा लाभ मिल सके।

अफसर को हर माह 50 लाख रुपए मिलने का दावा

जांच में यह भी सिद्ध हुआ है कि इस अवैध सहयोग के बदले निरंजन दास को न्यूनतम 50 लाख रुपये प्रतिमाह की हिस्सेदारी प्राप्त हो रही थी और आबकारी विभाग में उनकी पदस्थापना अवधि के दौरान किए गए लेन-देन के विश्लेषण से अब तक की विवेचना में ऐसे ठोस प्रमाण मिले हैं कि उन्हें इस अवैध व्यवस्था से कम से कम 16 करोड़ रुपये की अवैध राशि प्राप्त हुई है। आगे की विवेचना में इस राशि के और अधिक होने की संभावना है तथा इस अवैध आय को अपने और अपने परिजनों के नाम पर विभिन्न अचल संपत्तियों में निवेश किए जाने के साक्ष्य मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

शराब कंपनियों से उगाही के लिए बनाई दोषपूर्ण नीति

विदेशी मदिरा पर शराब निर्माता कंपनियों से जबरन कमीशन उगाही के उद्देश्य से बनाई गई दोषपूर्ण एफ.एल.-10-ए लायसेंसी प्रथा के लाभार्थी, लायसेंसी कंपनी ओम साई बेवरेजेस प्रा.लि. के संचालक आरोपी अतुल सिंह एवं मुकेश मनचंदा के विरुद्ध भी जांच में यह आरोप प्रमाणित हुआ है कि उन्होंने सिंडिकेट एवं शराब प्रदाता कंपनियों के बीच बिचौलिये के रूप में कार्य करते हुए कमीशन उगाही की रकम को सिंडिकेट तक पहुँचाने का काम किया। इस गलत लायसेंसी नीति के कारण राज्य शासन को न्यूनतम 530 करोड़ रुपये का राजस्व हानि होना जांच में परिलक्षित हुआ है, जिसमें से लगभग 114 करोड़ रुपये का अवैध सकल आर्थिक लाभ स्वयं आरोपियों तथा उनकी कंपनी ओम साई बेवरेजेस प्रा.लि. को भी प्राप्त होना सामने आया है।

नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट डेलीटेड रिजर्व गार्ड की महिला जवान घायल

सुकमा,27 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों ने एक बार फिर आईईडी ब्लास्ट कर सुरक्षा बलों को निशाना बनाया है। यह धमाका जिले के पोलमपल्ली थाना क्षेत्र के गोरगुंडा इलाके में हुआ। इस हमले में डीआरजी (डेलीटेड रिजर्व गार्ड) की एक महिला जवान घायल हो गई। सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा बल की टीम एरिया डोमिनेशन मिशन पर निकली थी, तभी नक्सलियों ने पहले से लगाए गए आईईडी को सक्रिय कर दिया। धमाके में घायल महिला जवान को मौके पर मौजूद साथी जवानों ने तुरंत सुरक्षित स्थान पर ले जाकर प्राथमिक उपचार दिया। उसके बाद बेहतर इलाज के लिए हेलीकॉप्टर से रायपुर रेफर करने की तैयारी की जा रही है। सुकमा पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने इस घटना की पुष्टि की है और बताया कि घायल जवान की स्थिति फिलहाल स्थिर है। उन्होंने कहा कि घटनास्थल पर अतिरिक्त सुरक्षा बलों की टीमें भेजी गई हैं और आसपास के इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है। गौरतलब है कि गोरगुंडा क्षेत्र पहले भी नक्सलियों की आईईडी गतिविधियों के लिए कुख्यात रहा है। पिछले कुछ महीनों में इसी मार्ग पर कई धमाके हो चुके हैं, जिनमें सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाया गया। बार-बार की ऐसी घटनाएं स्पष्ट करती हैं कि नक्सली इस रूट पर लगातार आईईडी प्लांट कर सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की साजिश रचते हैं। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने क्षेत्र में सुरक्षा कवच बढ़ा दिया है। नक्सलियों की संभावित घुसपैठ रोकने के लिए आसपास के मार्गों पर निगरानी कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने स्थानीय नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत सुरक्षा बलों को दें। सुकमा पुलिस ने बताया कि आगामी जांच में नक्सली नेटवर्क की पहचान और उन्हें पकड़ने के लिए विशेष कार्रवाई की जाएगी। घायल महिला जवान की सुरक्षा और उपचार को प्राथमिकता दी गई है। यह घटना सुकमा जिले में नक्सलियों की हिंसक गतिविधियों का एक और उदाहरण है। सुरक्षा बलों ने इसे गंभीरता से लिया है और घायल जवान के स्वास्थ्य की निगरानी के साथ-साथ नक्सलियों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। साथ ही,प्रशासन और पुलिस लगातार सतर्कता बनाए हुए हैं ताकि इलाके में नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। नक्सलियों की इस तरह की हरकतें सुरक्षा बलों के लिए चुनौती बनी हुई हैं,लेकिन सुकमा पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बल मिलकर सतत निगरानी और ऑपरेशन जारी रखे हुए हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए इलाके में लगातार सर्चिंग अभियान जारी है, और नक्सलियों की किसी भी गतिविधि पर नजर रखने के लिए ड्रोन और पैदल टीमों की भी मदद ली जा रही है। पुलिस का कहना है कि घायल जवान के ठीक होने के बाद सुरक्षा बलों की टुकड़ियों को फिर से एरिया डोमिनेशन मिशन पर भेजा जाएगा। सुकमा जिले में नक्सली हिंसा की यह श्रृंखला स्पष्ट करती है कि प्रशासन और सुरक्षा बलों की सतर्कता ही इस इलाके में शांति और सुरक्षा बनाए रखने की कुंजी है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने 1284 प्राचार्यों की पदस्थापना सूची जारी की

रायपुर,27 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लंबे समय से लंबित प्राचार्य पदोन्नति प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए बुधवार को बड़ा कदम उठाया गया। अवर सचिव आर. पी. वर्मा के हस्ताक्षर से 1284 नियमित व्याख्याता, व्याख्याता (एलबी) एवं प्रधान पाठक को प्राचार्य, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पद पर पदस्थापना का आदेश जारी कर दिया गया। जारी आदेश के अनुसार पदोन्नत सभी प्राचार्यों को सात दिनों के भीतर कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य किया गया है। इस निर्णय के साथ ही प्रदेश में पिछले लगभग 10 वर्षों से अटकी हुई पदोन्नति प्रक्रिया का समाधान हो गया है, जिससे पूरे शिक्षक समुदाय में हर्ष और संतोष का माहौल है। छत्तीसगढ़ प्राचार्य पदोन्नति फोरम ने लंबे समय से इस मुद्दे पर लगातार आवाज उठाई और प्रक्रिया को पूर्ण कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फोरम के प्रतिनिधि अनिल शुक्ला,राकेश शर्मा, आर. के. झा, श्यामकुमार वर्मा और मलखम वर्मा ने कहा कि यह आदेश स्कूल शिक्षा विभाग के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने बताया कि फोरम ने संचालनालय से लेकर न्यायालय तक संघर्ष किया, कई दौर की बैठकें कीं और सभी स्तरों पर ज्ञापन सौंपे। उनके अनुसार, दस वर्षों से लंबित इस पदोन्नति के पूरा होने से हजारों शिक्षक लाभान्वित हुए हैं और अब स्कूलों में शैक्षणिक व्यवस्था और मजबूत होगी। ऐतिहासिक उपलब्धि–एक साथ 2813 प्राचार्यों की पदोन्नति प्राचार्य पदोन्नति फोरम ने बताया कि इस प्रक्रिया के तहत शिक्षा विभाग ने टी संवर्ग में 1335 और ई संवर्ग में 1478, इस प्रकार कुल 2813 प्राचार्यों को पदोन्नत किया है।

ईडी की देशव्यापी कार्रवाई : छत्तीसगढ़ सहित 10 राज्यों में की छापेमारी,प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में भष्टाचार से जुड़ा है मामला

रायपुर,27 नवम्बर 2025। प्रवर्तन निदेशालय ने प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में कथित रिश्वतखोरी, फर्जी दस्तावेजों और प्रवेश प्रक्रिया में भारी अनियमितताओं के आरोपों की जांच के तहत एक बड़े ऑपरेशन को अंजाम दिया। दिल्ली मुख्यालय से भेजी गई विशेष टीमों ने छत्तीसगढ़ सहित 10 राज्यों में एक साथ छापेमारी की,जिससे मेडिकल क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूत्रों के अनुसार,ईडी ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्य प्रदेश,महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़,आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 15 से अधिक ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया। ये स्थान प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों, शैक्षणिक संस्थानों, आरोपियों के आवासों और कुछ कथित दलालों से जुड़े बताए जा रहे हैं। जांच में पता चला है कि देश के कई राज्यों में प्राइवेट कॉलेजों के संचालक और दलाल कथित तौर पर मोटी रकम लेकर सीट आवंटित कर रहे थे। फर्जी दस्तावेजों,सीट खरीद-फरोख्त और एडमिशन प्रक्रिया में करोड़ों रुपये के लेन-देन का संदेह है। इसी नेटवर्क पर शिकंजा कसने के लिए ईडी ने यह समन्वित कार्रवाई की। इस मामले में इससे पहले सीबीआई भी छापेमारी कर चुकी है और उसने डिजिटल रिकॉर्ड, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए थे। अब आर्थिक लेन-देन और मनी लॉन्ड्रिंग के पहलुओं की जांच के लिए ईडी सक्रिय हुई है। छत्तीसगढ़ में भी ईडी की टीम ने सुबह से कई संभावित ठिकानों पर कार्रवाई की है। हालांकि आधिकारिक तौर पर यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किन-किन स्थानों पर छापेमारी हुई, लेकिन सूत्रों का कहना है कि मेडिकल प्रवेश से जुड़े कई नाम लंबे समय से एजेंसी की निगरानी में थे। प्रारंभिक जांच में बैंक ट्रांजेक्शन, डिजिटल पेमेंट रिकॉर्ड, ई-मेल, व्हाट्सऐप चैट और कथित फर्जीवाड़े से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। एजेंसी को शक है कि यह नेटवर्क कई राज्यों में लंबे समय से सक्रिय था और करोड़ों रुपये का अवैध कारोबार चलाया जा रहा था। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में यह जांच और व्यापक हो सकती है तथा कई व्यक्तियों से पूछताछ की जाएगी। ईडी की कार्रवाई के बाद प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों की कार्यप्रणाली और प्रवेश प्रणाली पर निगरानी और सख्त होने की उम्मीद जताई जा रही है।

ढाई लाख शिक्षकों को बड़ी सैलरी का लाभ नहीं मिलेगा,हाईकोर्ट बोला-

संविलियन से पहले शिक्षा विभाग में नहीं थे, 1188 याचिकाएं खारिज

रायपुर,27 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने 10 साल की सर्विस के बाद क्रमोन्नति (ग्रेडेशन) की मांग करने वाले 1,188 टीचरों की पिटीशन खारिज कर दी है। इससे ढाई लाख से ज्यादा शिक्षक प्रभावित होंगे। जस्टिस एनके व्यास ने फैसला सुनाते हुए कहा कि संविलियन से पहले शिक्षाकर्मी स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आते थे, इसलिए वे ग्रेडेशन के लिए पात्र नहीं माने जा सकते। दरअसल, पंचायत विभाग में नियुक्त शिक्षाकर्मी ग्रेड-3, 2 और 1 का शिक्षा विभाग में संविलियन किया गया। इसके बाद उन्हें सहायक शिक्षक (एलबी), शिक्षक (एलबी) और व्याख्याता (एलबी) के पदनाम दिए गए, लेकिन इन शिक्षकों को ग्रेडेशन का फायदा नहीं मिला। इसके खिलाफ 1188 शिक्षकों ने हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की थीं।

विधायक के पोस्टर पर पोती काली स्याही सरस्वती नगर थाने में एफआईआर दर्ज

रायपुर,27 नवम्बर 2025। राजधानी में राजनीतिक रंग से सराबोर एक अनोखी घटना ने मंगलवार को माहौल गर्मा दिया। जी.ई. रोड स्थित अनुपम गार्डन के पास से यूनिवर्सिटी गेट के सामने लगाए गए विकास कार्यों से संबंधित बड़े पोस्टर पर अज्ञात लोगों द्वारा काला पेंट और कालिख पोते जाने का मामला सामने आया है। इस हरकत के बाद पूरे क्षेत्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई और स्थानीय स्तर पर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। घटना की सूचना मिलने पर सरस्वती नगर थाना पुलिस तुरंत हरकत में आई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने विनोद कश्यप उर्फ भक्कू और उसके अन्य साथियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। शिकायतकर्ता दिनेश तिवारी, निवासी डूमर तालाब मोहबा बाजार, ने पुलिस को बताया कि 26 नवंबर को दोपहर करीब 12:30 बजे जब वे रायपुर से अपने घर लौट रहे थे, तभी उनकी नजर जी.ई. रोड पर लगे विकास कार्यों से संबंधित एक भव्य पोस्टर पर गई। यह पोस्टर रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विकास से जुड़े स्लोगन 'हर बाधा टूटेगी, ज्ञान की डगर पर,अब चौपाटी नहीं, नालंदा होगा इस नगर पर' के साथ लगाया गया था, जिसमें स्थानीय विधायक राजेश मूणत की तस्वीर भी मौजूद थी। दिनेश ने देखा कि पोस्टर पर छपी विधायक मूणत की तस्वीर पर किसी ने जानबूझकर काली स्याही पोत दी थी। इसके अलावा पोस्टर पर बने कमल के निशान को भी काले पेंट से काटा गया था।

पगड़ी रस्म आज

स्व. डॉ. राजकुमार मिश्र

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पिताजी डॉ. राजकुमार मिश्र का निधन दिनांक 17.11.2025 को हो गया है। अत: दिवंगत आत्मा की शांति के लिए आज निम्न कार्यक्रम रखा गया है। जिसमें आपकी उपस्थित प्रार्थनीय है।

कार्यक्रम
ब्रम्हभोज, चन्दनपान, पगड़ी रस्म
दिनांक- 28.11.2025
स्थान- चित्रांश गली, विजय रेसीडेंसी, मिशन हॉस्पिटल के पास, अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

शोकाकुल
शशिशेखर, स्वर्ण, वैभव, अलख, ऋषि, संजीवन, सुक्ति, धनक, विरल, अपर्ण, विशेष एवं समस्त मिश्रा परिवार
मो.- 8818997675, 7389009667, 9340030603

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)